दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-100 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 2 मार्च, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'अपनी ऊर्जा शिकायतों में नहीं, समाधान में लगाइए– क्योंकि वही व्यक्ति आगे बढ़ता है, जो परिस्थितियों से नहीं, अपने प्रयासों से दिशा तय करता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

रंगों के बहाने आत्ममंथनः होली केवल उत्सव नहीं, सांस्कृतिक उत्तरदायित्व भी

रंगों का त्योहार होली हंसी, ठिठोली, मस्ती और उमंग का प्रतीक है। यह वह अवसर है जब सामाजिक दूरी मिटती है, मन के द्वेष धुलते हैं और रिश्तों में नई ऊर्जा का संचार होता है। परंतु प्रश्न यह है कि आधुनिक सभ्यता और विकास की दौड़ में हमने इस त्योहार की मूल भावना को कितना सहेजा है? क्या हम केवल रंगों की बाहरी चकाचौंध तक सीमित रह गए हैं, या इसके सामाजिक और सांस्कृतिक संदेश को भी आत्मसात कर पा रहे हैं? यह मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। होली का इतिहास और दंतकथाएं केवल धार्मिक आख्यान नहीं हैं; वे समाज को दिशा देने वाले त्योहार है।आज जब हम होली मनाते हैं, तो क्या सचमुच अपने भीतर की नकारात्मकता को जलाने का संकल्प लेते हैं? या फिर यह पर्व केवल औपचारिकता और प्रदर्शन का माध्यम बन गया है?

समय के साथ होली की प्रकृति में भी परिवर्तन आया है। पहले यह त्योहार सामूहिकता और भाईचारे का उत्सव था। गांवों में लोग एक-दूसरे के घर जाकर गले मिलते थे, फाग गाते थे और प्राकृतिक रंगों से खेलते थे। रिश्तों की मिठास में कृत्रिमता नहीं थी। आज शहरीकरण और उपभोक्तावाद ने त्योहारों को भी बाजार से जोड़ दिया है। रासायनिक रंगों, ऊँचे ध्वनि प्रदूषण और दिखावे की होड़ ने इस पावन पर्व की सरलता को प्रभावित किया है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि आधुनिकता ने सुविधा तो दी है, परंतु कई बार उसने हमारी सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर भी किया है। हमने प्रकृति से जुड़ाव कम किया, परंपरागत लोकगीतों की जगह ऊँचे शोर ने ले ली, और सामूहिक उत्सव की जगह निजी पार्टियों ने। यह बदलाव केवल स्वरूप का नहीं, बल्कि भावना का भी है। होली का असली उद्देश्य समाज में व्याप्त मनमुटाव को दूर करना था। यह पर्व उस संवाद का माध्यम था, जहाँ लोग पुरानी शिकायतें भुलाकर नए सिरे से संबंधों की शुरुआत करते थे।

आज आवश्यकता है कि हम इस पर्व को केवल रंगों की उछाल तक सीमित न रखें, बल्कि इसे आत्ममंथन का अवसर भी बनाएं। क्या हमने विकास की दौड़ में सहिष्णुता, आपसी सम्मान और सामूहिकता जैसे मूल्यों को पीछे छोड़ दिया है? यदि हाँ, तो होली हमें उन्हें पुनः अपनाने का अवसर देती है। रंगों की यह दुनिया विविधता का संदेश देती है–हर रंग अलग है, परंतु जब वे मिलते हैं तो एक सुंदर चित्र बनाते हैं। ठीक वैसे ही समाज की विविधताएँ मिलकर ही समृद्धि का आधार बनती हैं। होली का एक और महत्वपूर्ण संदेश है–समानता। इस दिन सामाजिक भेदभाव की दीवारें कमजोर पड़ जाती हैं। लोग वर्ग, जाति और पद के अंतर को भूलकर एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। परंतु क्या यह समानता केवल एक दिन की औपचारिकता बनकर रह गई है? यदि होली का रंग अगले ही दिन फीका पड़ जाए और मन में पूर्वाग्रह पुनः जाग जाएँ, तो इस उत्सव की सार्थकता अधूरी रह जाती है।

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण केवल परंपराओं को दोहराने से नहीं, बल्कि उनके मूल अर्थ को समझकर उन्हें वर्तमान संदर्भ में जीवित रखने से होता है। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि होली केवल रंग खेलने का दिन नहीं, बल्कि प्रेम, क्षमा और पुनर्मिलन का पर्व है। प्राकृतिक रंगों का उपयोग, जल संरक्षण, और मर्यादित उत्सव–ये सब हमारी जिम्मेदारी का हिस्सा हैं। समाज में बढ़ती कटुता, वैमनस्यता और असहिष्णुता के दौर में होली का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह हमें याद दिलाती है कि जीवन में रंग तभी हैं, जब संबंधों में मिठास हो। यदि मन में द्वेष हो, तो कोई भी रंग स्थायी आनंद नहीं दे सकता। इसलिए इस बार होली केवल बाहरी रंगों की नहीं, बल्कि भीतर के भावों की भी होनी चाहिए। आइए, इस होली पर हम कुछ संकल्प लें–अपनी संस्कृति के उन उपादानों को पुनर्जीवित करने का संकल्प, जो हमें जोड़ते हैं; प्राकृतिक और पर्यावरण-हितैषी उत्सव मनाने का संकल्प; और सबसे महत्वपूर्ण, मन के मैल को धोकर सच्चे अर्थों में भाईचारे को अपनाने का संकल्प।

होली केवल दंतकथाओं का अवशेष नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्निर्माण का अवसर है। यदि हम इसके संदेश को समझ लें, तो यह पर्व केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि वर्ष भर की सकारात्मकता का आधार बन सकता है। रंगों की इस रंगीन दुनिया में सच्ची चमक तभी होगी, जब हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए आधुनिकता के साथ संतुलन बनाए रखें। यही होली की असली जीत होगी–बुराई पर अच्छाई की, विभाजन पर एकता की, और दिखावे पर सादगी की।

हरियाणा सीएम आज बजट पेश करेंगे

बतौर वित्त मंत्री यह दूसरा भाषण होगा; लाडो लक्ष्मी योजना के दायरे पर घोषणा संभव

भीम प्रज्ञा न्यूज

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर वित्त मंत्री आज (2 मार्च) दूसरी बार बजट पेश करेंगे। यह बजट 2.15 लाख करोड़ रुपए तक का हो सकता है। सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री नायब सैनी के बजट भाषण से शुरू होगी। मुख्यमंत्री सैनी बजट में लाडो लक्ष्मी योजना के दायरे को लेकर भी कुछ घोषणाएं कर सकते हैं। इसके अलावा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) उद्योग सेक्टर को बड़ी राहत मिलने की भी संभावना है। किसानों को ट्यूबवेल कनेक्शन को लेकर भी छूट मिल सकती है। इस बजट में गुरुग्राम में बढ़ रही ट्रैफिक समस्या को लेकर भी मेगा प्लान बनाया गया है। सरकार सड़कों के चौड़ीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके अलावा, राज्य में खाली पड़े ग्रुप-D के पदों को भरने को लेकर भी ऐलान हो सकता है।

किस विभाग को क्या मिल सकता है....

इन्फ्रास्ट्रक्चरः मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दस सेक्टरों में इन्फ्रास्ट्रक्चर को सबसे ऊपर रखा है। इस बार इस सेक्टर में 25' की वृद्धि हो सकती है। पिछले साल के आंकड़ों के अनुसार, इस सेक्टर को 4950.96 करोड़ रुपए मिले थे। इस बार यह राशि बढ़कर 6500 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है।

पावरः यह विभाग मंत्री अनिल विज के पास है। चूंकि इस सेक्टर में सरकार आम लोगों को कई तरह की सब्सिडी देती है, इसलिए इस सेक्टर के बजट में बढ़ोतरी होगी। इस सेक्टर में 25 से 30' की वृद्धि होने की उम्मीद है। पिछले साल इस सेक्टर को 6379.63 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे।

परिवहनः सरकार के पास अभी 5000 बसों का बेड़ा है, जिसे बढ़ाने की तैयारी है। इसके अलावा, हर जिले में इलेक्ट्रिक बसें भी दी जानी हैं। इसे देखते हुए पिछले साल के मुकाबले इस साल के बजट में वृद्धि दिखाई देगी। 2025 में इस सेक्टर को 3388 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे।

कृषिः इस सेक्टर में 15' की वृद्धि दिखने वाली है। पिछले साल इस सेक्टर को 1254 करोड़ रुपए मिले थे। खेती-किसानी प्रदेश में हमेशा एक बड़ा मुद्दा रहता है, इसलिए इस क्षेत्र में लगभग 1500 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है।

शिक्षाः हरियाणा में सरकार सबसे ज्यादा बजट शिक्षा पर खर्च करती है। इसे देखते हुए इस सेक्टर में हर साल वृद्धि होती है, यही वजह है कि अब इस सेक्टर में हर साल 22 हजार करोड़ रुपए तक खर्च किए जाते हैं। इस बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तहत तकनीकी शिक्षा के लिए नई कक्षाएं शुरू होनी हैं। पीएम श्री स्कूल खोले जाने हैं। पिछले साल इस सेक्टर को 22296 करोड़ रुपए दिए गए थे। इसे देखते हुए इस सेक्टर में 15' की वृद्धि रहेगी।

स्वास्थ्य विभागः पिछले साल इस सेक्टर में 10159 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। इस बजट में मुख्यमंत्री सैनी 20 प्रतिशत की वृद्धि करेंगे, जिसके बाद यह बजट लगभग 12500 करोड़ रुपए हो जाएगा। इस बार सरकार हर जिले में कैंसर केयर यूनिट और मेडिकल कॉलेज बनाने की तैयारी कर रही है।

पंचायत राज एवं ग्रामीण विभागः सरकार ने पिछले साल इस सेक्टर में 7313 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया था। चूंकि अब प्रदेश में पंचायत चुनाव भी होने वाले हैं, इसलिए मुख्यमंत्री नायब सैनी इस सेक्टर में बढ़ोतरी करते हुए 7500 करोड़ रुपए करने की तैयारी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी बजट सत्र से पहले ही कह चुके हैं कि सरकार का शहरों के साथ ही ग्रामीण विकास पर विशेष ध्यान होगा।

शहरी एवं स्थानीय विभागः मार्च के बाद प्रदेश में निकाय चुनाव होने वाले हैं। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी शहरों पर विशेष ध्यान देने वाले हैं। पिछले साल मुख्यमंत्री नायब सैनी ने इस सेक्टर में 5666 करोड़ रुपए का बजट रखा था। चुनावों को देखते हुए इस बार मुख्यमंत्री नायब सैनी इस सेक्टर में 20' की वृद्धि कर सकते हैं।

होम डिपार्टमेंटः मुख्यमंत्री नायब सैनी खुद इस विभाग की जिम्मेदारी देख रहे हैं। पहले कार्यकाल में मुख्यमंत्री द्वारा पेश किए गए बजट में होम डिपार्टमेंट को 8315 करोड़ रुपए मिले थे। चूंकि इस बार प्रदेश में आतंकवाद विरोधी दस्ता (एटीएस) का गठन होना है, जिसके कारण बजट को बढ़ाया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस एटीएस में लगभग हर साल 35 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ सरकारी खजाने पर पड़ेगा।

समाज कल्याणः शिक्षा के बाद हरियाणा सरकार सबसे ज्यादा समाज कल्याण पर खर्च करती है। यही वजह है कि पिछले बजट में 16650 करोड़ रुपए रखे गए थे। इसी बजट से 30 लाख से अधिक लोगों को 13 श्रेणियों में विभिन्न मदों में पेंशन दी जाती है। चूंकि इस मद में सीधा लोगों से जुड़ाव है, इसलिए सरकार इस बजट को लेकर हमेशा से ही गंभीर रहती है। इस बार भी मुख्यमंत्री इस बजट में 20' की वृद्धि करने की तैयारी कर रहे हैं।

10.51 लाख महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 27 फरवरी को सदन में बताया था कि पंडित दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना एप पर 10 लाख 51 हजार 29 महिलाओं ने आवेदन किए। 10 फरवरी को इसकी चौथी किश्त जारी की। 9 लाख से अधिक बहनों के खातों में 193 करोड़ रुपए भेज दिए गए हैं। अब तक 637 करोड़ रुपए भेजे गए हैं। अब 1 लाख 80 हजार वाली माताएं जिनके तीन बच्चे नहीं हैं, उन्हें भी दिया जा रहा है। फरवरी 2026 से 1100 रुपए की राशि बैंक खातों में और एक हजार रुपए की राशि एफडी की जाएगी। जब उन्हें जरूरी होगा, तब एफडी दी जाएगी, ताकि वे अपने बच्चे को कारोबार करवा सकें या बेटी की शादी कर सकें। योजना का विशेष पहलू यह है कि परिवार की सभी पात्र महिलाएं लाभ ले सकती हैं।

सैंड पाइपर टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स में उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया होली उत्सव

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

भांडोरिया। हरियाणा टूरिज्म द्वारा 28 फरवरी से 4 मार्च तक आयोजित किए जा रहे प्रदेशव्यापी 'होली रंगोत्सव' की श्रृंखला में रविवार को रेवाड़ी स्थित सैंड पाइपर टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स में होली उत्सव की धूम रही। होली उत्सव कार्यक्रम की शुरुआत तिलक लगाकर की गई, वहीं प्रतिभागियों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल और फूलों की पंखुड़ियों से सराबोर कर आपसी भाईचारे का संदेश दिया। महिलाओं ने ढोलक की थाप और होली के पारंपरिक गीतों पर जमकर नृत्य किया। मस्ती, दोस्ती और उमंग के इस माहौल में पूरा परिसर होली के गीतों से गुंजायमान रहा। उत्सव को खास बनाने के लिए महिलाओं ने आकर्षक रंगोली सजाई और हंसी-ठिठोली के साथ त्यौहार का आनंद लिया। इस तरह के सामूहिक आयोजनों से आपसी जुड़ाव बढ़ता है और त्यौहारों की खुशी दोगुनी हो जाती है।

पर्यटन निगम के गुड़गांव जॉन प्रमुख हरविंदर सिंह यादव ने बताया कि हरियाणा टूरिज्म द्वारा मनाए जा रहे होली रंगोत्सव का मुख्य उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय समुदायों को एक मंच पर लाकर प्रदेश की

संस्कृति व त्योहारों को हर्षोल्लास के साथ मनाना है। सैंड पाइपर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम ने न केवल मनोरंजन किया बल्कि सामाजिक सद्भाव की एक खूबसूरत तस्वीर भी पेश की। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजन केवल उत्सव ही नहीं सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा जो पर्यटन को नई पहचान देने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि हरियाणा के पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा के दिशा निर्देशानुसार हरियाणा टूरिज्म आगे भी ऐसे अनेक आयोजन करता रहेगा, जिससे समाज में भाईचारा कायम रहेगा और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

महिला सम्मान समारोह को लेकर गांव-गांव जनसंपर्क कर किया पोस्टर का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया। बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं की ओर से महिला दिवस पर आयोजित होने वाले महिला का सम्मान समारोह का समिति के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया के नेतृत्व में रामगट्टा, जयसिंहपुरा, कालाडेरा, शेखावतों की ढ़ाणी, गौरी का बास आदि गांवों में जनसंपर्क कर पोस्टर का विमोचन किया। महासचिव हरसोलिया ने बताया कि समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली समाज की महिलाओं के साथ ही समारोह में शामिल होने वाली सभी महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही अधिकाधिक संख्या में महिलाओं को समारोह में पहुंचने के लिए आह्वान किया। इस दौरान अध्यापक हेमराज हरसोलिया, बाबूलाल तंवर, रामेश्वर चाहिल, प्रधानाध्यापक सुखाराम बुनकर, पूर्व वार्डपंच हनुमान सहाय डूंडलोदिया, पूर्व वार्डपंच नाना देवी, कालूराम तानाण, भंवरलाल, पूरणमल, राहुल वर्मा, पवन वर्मा, मंगलचंद, खेमचंद वर्मा, मीना देवी, किरण देवी,

सूरजमल वर्मा, कैलाशचंद वर्मा, पूरणमल, तीजा देवी, कांता देवी, छोटी देवी, संतोष देवी, सुनीता देवी, विमला देवी, प्रमिला देवी, बबली देवी, श्रवणी देवी, मंजू वर्मा, बिरदी देवी, माली देवी, विमला देवी, सीता देवी, ललिता देवी, बिदामी देवी, लिछमा देवी, संतरा देवी, बबली देवी, कानी देवी, बाबूड़ी देवी, बसंती देवी, बाबूलाल वर्मा, सिमला देवी, मीरा देवी, कंचन देवी, रिंकी देवी, सोनी देवी, माया देवी, सरजू देवी, अनीता वर्मा, रोहित वर्मा, रमन वर्मा, पूजा वर्मा, कोमल वर्मा, कविता वर्मा, भगवती देवी, सीता देवी, नेहा, नीलम, प्रकाश वर्मा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को

आपसी सहमति से निपटाए जाएंगे मामलेः सीजेएम

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

भांडोरिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम अमित वर्मा ने बताया कि रेवाड़ी जिला स्थित न्यायिक परिसर में 14 मार्च 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें दोनों पक्षों की सहमति से मामलों का निपटारा करवाया जाएगा। सचिव एवं सीजेएम अमित वर्मा ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित निपटारा करवाना है। लोक अदालत में ट्रैफिक चालान, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम, पारिवारिक विवाद, दीवानी एवं फौजदारी मामले, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, बिजली-पानी के बिलों तथा राजस्व आदि का निपटारा किया जाएगा।सीजेएम अमित वर्मा ने आमजन से अपील की है कि शनिवार, 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर का लाभ उठाएं। कोर्ट में अपने लंबित मामलों को आपसी सहमति से हल करवा लेने में ही फायदा है, जिससे कि समय कम लगे और मामूली खर्च में ही विवाद का निपटारा हो जाए। कोई भी केस में कोर्ट में चलता है तो लोगों को उसके लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं और धन व समय भी खर्च होता है। लोक अदालत में आदमी आकर विवाद को सुलझा ले तो यह वहीं समाप्त हो जाता है।

होली और धुलंडी पर झुंझुनूं पुलिस अलर्टः शांति व्यवस्था के लिए सड़कों पर उतरा फ्लैग मार्च, सुरक्षा का भरोसा दिया

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं। होली एवं धुलण्डी पर्व के मद्देनजर जिले में शांति, सुरक्षा और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए झुंझुनू पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। विभिन्न थाना क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकालकर आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। एसपी ने कहा कि होली के उल्लास में किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। फ्लैग मार्च का उद्देश्य आमजन में विश्वास कायम करना और असामाजिक तत्वों को स्पष्ट संदेश देना है कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाली पुलिस का शहर में पैदल मार्च

झुंझुनू शहर में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के लिए वृताधिकारी (सीओ) गोपाल सिंह ढाका के

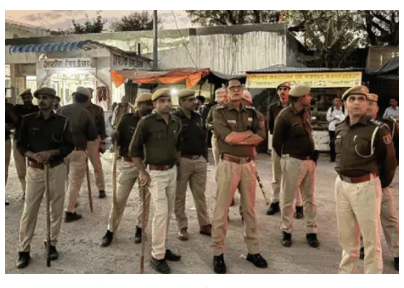

नेतृत्व में कोतवाली थानाधिकारी श्रवण कुमार मय जाप्ता और RAC के जवानों ने फ्लैग मार्च किया। मार्च कोतवाली थाने से शुरू होकर गांधी चौक, शाहू वाला कुआं, हांडी शाह दरगाह, जेपी जानू स्कूल, रोड नंबर-01, बीडीके अस्पताल और रोडवेज बस डिपो सहित प्रमुख एवं संवेदनशील क्षेत्रों से गुजरा। मुख्य मार्गों पर गश्त कर पुलिस ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, ताकि त्योहार के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

अफवाहों से बचें, पुलिस का सहयोग करें

फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने नागरिकों से संवाद कर त्योहार को प्रेम और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। एसपी ने कहा कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से फैलने वाली किसी भी भ्रामक सूचना पर विश्वास न करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अप्रिय घटना की जानकारी तुरंत नजदीकी थाने या पुलिस कंट्रोल रूम को दें।

बुहाना में भी पुलिस रही सतर्क

बुहाना कस्बे में भी पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। एएसआई रामेश्वरलाल के नेतृत्व में पुलिस जाप्ते ने मुख्य बाजारों और संवेदनशील इलाकों में गश्त कर शांति व्यवस्था का संदेश दिया।

बुडानिया का बास में ट्यूबवेल का शिलान्यास, मनीष दहिया ने ग्रामीणों को दी बड़ी सौगात

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बुडानिया का बास में रविवार को पेयजल संकट के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। भाजपा नेता मनीष दहिया ने गांव में नए ट्यूबवेल का विधिवत रूप से शिलान्यास किया। इस परियोजना की शुरुआत से ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा गया। शिलान्यास के पश्चात आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनीष दहिया ने कहा कि क्षेत्र के हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा, 'अब किसी भी व्यक्ति को पीने के पानी की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ेगा।' दहिया ने इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और जल मंत्री कन्हैयालाल चौधरी का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। लंबे समय से पानी की समस्या से जूझ रहे बुडानिया का बास के निवासियों ने इस पहल का तहे दिल से स्वागत किया। ग्रामीणों ने दहिया का साफा पहनाकर और मालाओं के साथ अभिनंदन किया एवं उन्हें भविष्य के लिए अपना आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में येइस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से रवींद्र गोदारा, जलेसिंह, ईश्वर बुडानिया, राजीव गोदारा, राजेश बुडानिया, सरवन भालोठिया, हनुमान सिंह, रणधीर बुडानिया, बलवीर बुडानिया, सुशील कोठरी, विकास, सुशील बुडानिया,हरिसिंह गोदारा, पूरणमल गोदारा, जगदीश बुडानिया, सुधीर बुडानिया,कमल जांगिड़, महिपाल सिंह व अन्य ग्रामीण बंधु शामिल थे।

क्या घुटनों में दर्द होने पर सुरक्षित है रस्सी कूदना?

जानिए इस सबसे इफैक्टिव वेट लॉस एक्सरसाइज के बारे में

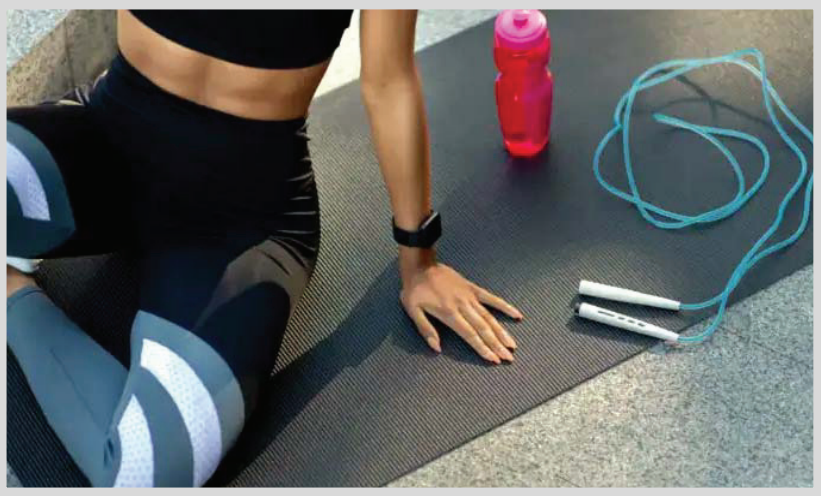

रस्सी कूदकर आप सिर्फ दस मिनट में दो सौ कैलोरी तक बर्न कर सकती हैं। पर क्या घुटनों में दर्द होने पर आपको रस्सी कूदनी चाहिए? बचपन में हम सबने रस्सी कूदी है और इसमें मज़ा भी बहुत आता है! ये एक ईएसआई कार्डियो एक्सरसाइज है जिससे वज़न सबसे तेज़ी से घटता है। परन्तु, यदि आपकी उम्र थोड़ी ज्यादा है या आपके घुटने कमज़ोर हैं, तब भी क्या रस्सी कूदना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है?

स्किपिंग सबसे फास्ट कैलोरी बर्नर है और ऐसा माना जाता है कि यह जोड़ों के लिए बहुत अच्छी है! पर क्या यह आपके लिए सही है? चलिए पता करते हैं

स्किपिंग करने से कितनी कैलोरी बर्न होती हैं? हैरानी की बात यह है कि रस्सी कूदने से एक मिनट में 10 कैलोरी बर्न होती है और साथ ही आपके पैर, बट, कंधे, पेट और बाहों को भी मजबूती मिलती है। हर दिन 10 मिनट रस्सी कूदने से आप 200 कैलोरी तक बर्न कर सकती हैं।

रस्सी कूदने के फायदे-वजन कम करने से लेकर जड़ों को मज़बूत करने तक रस्सी कूदने के कई फायदे हैं।

1. **हृदय स्वास्थ्य में सुधार होता है**-रस्सी कूदना सबसे अच्छी कार्डियो एक्सरसाइज है क्योंकि यह हृदय गति को बढ़ाती है। इससे हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा काफी कम हो सकता है।
2. **एकाग्रता बढ़ाती है**-हर कार्डियो एक्सरसाइज आपको अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगी और स्किपिंग उनमें से एक है। रस्सी कूदना आपके शरीर को शांत कर सकता है और आपकी एकाग्रता को बढ़ा सकता है।
3. **अपनी हड्डियों को मजबूत बनाना**-रस्सी कूदने से आपकी हड्डियों को ताकत मिलेगी और हड्डियों का घनत्व बढ़ेगा, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस की संभावना कम हो जाती है। इसके अलावा ये वज़न कम करने का सबसे अच्छा तरीका है जो ऑस्टियोपोरोसिस का एक कारण है।
4. **थकान से छुटकारा दिलाती है**-लगातार काम करने से आप थका हुआ महसूस कर सकती हैं। स्किपिंग आपको अपनी सहनशक्ति में सुधार करने में मदद कर सकती है। जितना अधिक आप नियमित रूप से स्किपिंग करती हैं, उतना ही आपकी सहनशक्ति बढ़ती है। लगातार रस्सी कूदने का अभ्यास थकान से छुटकारा पाने में मदद कर सकता है।

जानिए किन लोगों को नहीं कूदनी चाहिए रस्सी-अगर आप शारीरिक रूप से बिल्कुल स्वस्थ हैं तो, रस्सी कूदना एक बेहतरीन एक्सरसाइज है और यह आपकी हड्डियों को भी मजबूती देगी। मगर, यदि आपको हृदय रोग है या घुटनों से संबंधित कोई समस्या है, तो आपको रस्सी नहीं कूदनी चाहिए, क्योंकि यह आपके कमज़ोर घुटनों पर बहुत ज्यादा प्रेशर डाल सकती है। इसलिए, जिन लोगों को हड्डी या मांसपेशियों की समस्या है, उन्हें रस्सी कूदने से दूर रहना चाहिए। साथ ही गर्भावस्था, पीरियड्स और हृदय रोग में आपको रस्सी नहीं कूदनी चाहिए। यह आपके स्वास्थ्य के लिए समस्या पैदा कर सकती है। ऐसी स्थिति में वॉकिंग या सैर करना आपके लिए सबसे बेहतर व्यायाम है।

आपकी त्वचा पर भद्दे निशान छोड़ जाता है मच्छरों का काटना

मच्छरों के काटने से आपको कई प्रकार की बीमारियां होने के साथ-साथ हमेशा रह जाने वाले निशान भी हो सकते हैं। तो आज हम उन निशानों से छुटकारा दिलाने के लिए आपको कुछ टिप्स बताने वाले हैं। मच्छरों के काटने से डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां आपको हो सकती हैं। इसलिए आपको अपना मच्छरों से भी बचाव करना चाहिए। हम में से अधिकांश लोग ये जानते हैं और इससे बचने के उपाय भी करते हैं। पर मच्छर एक ऐसी चीज हैं जो कहीं न कहीं हम पर हमला कर ही देता है। एक मच्छर का काटना न सिर्फ आपको एक पल की तीव्र चुभन देता है, बल्कि ये आपकी त्वचा पर भद्दे निशान भी छोड़ जाता है। क्या आप भी मच्छरों के काटने के निशान अपनी त्वचा पर देखती हैं? तो आज इन्हें मिटाने के उपाय जानते हैं।

कुछ खास जगहों पर ही ज्यादा क्यों काटते हैं मच्छर- मच्छरों के निशाने पर अकसर आपके शरीर के खुले हिस्से होते हैं। उनमें भी सबसे ज्यादा आपके पैर। क्योंकि वे जमीन के सबसे ज्यादा नजदीक होते हैं। असल में जब हिलते-डुलते हैं तो आपकी त्वचा का तापमान बढ़ जाता है। आप अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करते हैं। जब मच्छर जमीन के काफी करीब आते हैं, तो वे शरीर की गर्मी को महसूस करते हैं। यह गर्मी ही बताती है कि रक्त सतह के सबसे करीब है। इसलिए वे जानते हैं कि उन्हें कहां काटना है।

क्यों पड़ते हैं मच्छर के काटने से ऐसे निशान?

कोलंबिया एशिया हॉस्पिटल में त्वचा विशेषज्ञ डॉ. भावुक मित्तल बताते हैं कि जब मच्छर आपको काटता है, तो थोड़े समय के बाद हो सकता है कि आपको एक डार्क और गोल निशान देखने को मिले। इसे पोस्ट इन्फ्लेमेटरी हाइपर पिगमेंटेशन कहा जाता है। इस प्रकार की दागदार त्वचा को ठीक होने में कई महीनों तक का समय लग जाता है। **खुजली करने से हो सकता है इंफेक्शन** -जब आप मच्छर के काटने से से ठीक हो रहे होते हैं और उसे खुजला लेते हैं, तो हील होने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। इससे आपको उस स्थान पर सूजन या इन्फेक्शन हो सकती है। जिसका निशान काफी लंबे समय तक रह सकता है। **केलॉइड स्कार**-कई लोगों को मच्छर के काटने से प्राकृतिक रूप से ही स्कार हो जाता है और वह समय के साथ साथ बड़ा होने लगता है और इसे केलाइड स्कार के नाम से जाना जाता है।

डियर मॉम्स, अपने बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए याद रखें ये वैक्सीनेशन लिस्ट

टीकाकरण एक बच्चे के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे उन्हें विभिन्न प्रकार के संक्रमणों से इम्युनिटी बनाने में मदद मिलती है। चलिए इसके बारे में और जानकारी हासिल करते हैं।नवजात शिशु कुछ बीमारियों से सुरक्षा के साथ पैदा होते हैं, क्योंकि उनकी माताएं जन्म से पहले उनमें एंटीबॉडीज भेजती हैं। स्तनपान करने वाले शिशुओं को भी स्तन के दूध में अधिक एंटीबॉडी मिल सकती हैं लेकिन दोनों ही मामलों में, सुरक्षा सीमित और अस्थायी होती है। अपने बच्चे का टीकाकरण कुछ घातक बीमारियों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता पैदा करने का एक तरीका है।

टीकाकरण एक बच्चे के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे उन्हें विभिन्न प्रकार के संक्रमणों से इम्युनिटी बनाने में मदद मिलती है। चलिए इसके बारे में और जानकारी हासिल करते हैं।नवजात शिशु कुछ बीमारियों से सुरक्षा के साथ पैदा होते हैं, क्योंकि उनकी माताएं जन्म से पहले उनमें एंटीबॉडीज भेजती हैं। स्तनपान करने वाले शिशुओं को भी स्तन के दूध में अधिक एंटीबॉडी मिल सकती हैं लेकिन दोनों ही मामलों में, सुरक्षा सीमित और अस्थायी होती है। अपने बच्चे का टीकाकरण कुछ घातक बीमारियों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता पैदा करने का एक तरीका है।रोगाणु खसरा जैसे वायरस या न्यूमोकोकस जैसे बैक्टीरिया भी हो सकते हैं। टीके प्रतिरक्षा प्रणाली को इस तरह प्रतिक्रिया करने में तेजी लाते हैं जैसे कि कोई वास्तविक संक्रमण हो। यह संक्रमण का प्रतिरोध करता है और रोगाणु को याद रखता है। फिर, बाद में शरीर में प्रवेश करने पर यह रोगाणु से लड़ता है। बच्चों में टीकों के व्यापक उपयोग के कारण हमने खसरा, चेचक या टीबी जैसी कई बीमारियों को काफी हद तक कम होते देखा है। इसलिए, हम अब खसरे के प्रकोप या चिकनपॉक्स के प्रकोप के बारे में नहीं सुनते हैं। यह इसलिए है क्योंकि अधिकांश बच्चों को इन सामान्य बीमारियों के लिए टीका लगाया जा रहा है, जिससे प्रतिरोधक क्षमता बढ़ रही है।

टीकाकरण का महत्व-सभी बच्चों को विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचाने में मदद करने के लिए टीके दिए जाते हैं, जो गंभीर जटिलताओं और अस्पताल में भर्ती होने का कारण बन सकते हैं। जीवन के पहले कुछ महीनों में, शिशुओं को अपनी माताओं से एक जन्मजात प्रतिरक्षा विरासत में मिलती है। शिशुओं को बीमार होने से बचाने में मदद करने के लिए टीके तब लगाए जाते हैं, जब यह कम होने लगता है।ये टीके बच्चों को उनके साथियों, सहपाठियों और परिवार के सदस्यों द्वारा फैलने वाली बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। ऐसे टीके हैं जिन्हें केवल एक बार दिए जाने की है। दूसरों को प्रभावी टीकाकरण और बीमारियों से निरंतर सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपडेट या बूस्टर की आवश्यकता होती है। बच्चों को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने के लिए राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अनुसार, उनके टीकों पर अप टू डेट रखना आवश्यक है। इनमें से कुछ टीके वायरस या एक जीवाणु से सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं और कुछ, एक से अधिक जीवाणु या वायरस को कवर करते हैं। महामारी के दौरान भी, केवल टीकाकरण के लिए अस्पताल जाना एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा गतिविधि है। कोविड-19 के कारण टीकाकरण कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए और बच्चों को उसी मानक टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करना चाहिए।मगर महामारी के कारण, हम बहुत सारे छूटे हुए टीकाकरण देख रहे हैं और बाल रोग विशेषज्ञों को उनके लिए एक अलग तरह के कैच-अप टीकाकरण कार्यक्रम की आवश्यकता है। अब, हमें निश्चित होना चाहिए कि क्लिनिक या अस्पतालों द्वारा संक्रमण नियंत्रण दिशानिर्देशों का पालन किया जा रहा है, जहां वे बच्चों के टीके उपलब्ध करा रहे हैं। इन स्वास्थ्य सुविधाओं में अस्वस्थ बच्चों के टीकाकरण और जांच के लिए एक अलग क्षेत्र होना चाहिए।क्लीनिक और स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में मानक कोविड -19 रोकथाम के उपायों जैसे हाथ धोने, मास्क लगाने और सामाजिक दूरी बनाए रखने के उपायों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।हमारे देश में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली कोविड-19 महामारी के कारण जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच गई है। हम पहले से ही दूसरे चरण में हैं और तीसरी लहर आने की भी आशंका है। ऐसे में हम वैक्सीन-रोकथाम योग्य बीमारियों के फिर से उभरने का जोखिम लेने को तैयार नहीं हैं। माता-पिता वास्तव में बाहर निकलने और अपने बच्चों को टीका लगवाने से डरते हैं।दुनिया भर में उपलब्ध आंकड़ों के साथ, हमने पाया है कि कार्यक्रम के अनुसार टीकाकरण कराने वाले बच्चों की संख्या में भारी गिरावट आई है। यह एक अच्छा संकेत नहीं है, क्योंकि इससे टीके से बचाव योग्य बीमारियों का जोखिम हो सकता है। इस विचार ने हमें 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए घर ङ्क घर जाकर टीकाकरण लाने के लिए प्रेरित किया है।कुछ टीके वैकल्पिक हो सकते हैं और इसलिए, विशेष परिस्थितियों में या ऐसे क्षेत्रों में दिए जाते हैं, जहां रोग अधिक है। ये टीके मानक टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल नहीं हैं। अधिकांश अस्पताल जन्म के तुरंत बाद बच्चे के टीकाकरण के लिए एक कार्यक्रम प्रदान करते हैं। अधिकांश अस्पताल वैक्सीन शेड्यूल के रिमाइंडर भेजते हैं और कुछ

वायर्ड ब्रा का दबाव छोड़कर आप इन एक्सरसाइज की तरफ स्विच करें। ये आपके स्तनों में नेचुरली उभार ला सकती हैं।ढीले ब्रेस्ट में कसाव हर महिला चाहती है। हर महिला चाहती है कि उसकी ब्रेस्ट टाइट , मजबूत और शेप में लगे। पर उम्र और कई अन्य कारणों से स्तनों के आकार और कसावट में बदलाव आता ही है। और यह बिल्कुल सामान्य है। पर अगर आप चाहती हैं कि आपकी ब्रेस्ट टाइट और शेप में रहें तो आप इसके लिए कुछ एक्सरसाइज कर सकती हैं। आइए जानते हैं ढीले स्तनों में कसावट लाने वाले व्यायाम के बारे में।

पहले जानते हैं स्तनों के ढीले होने का कारण -ब्रेस्ट के ढीले होने या लटकने के कई कारण हो सकते हैं। जिनमें एक कारण गलत ब्रा का चयन करना भी है। इसके अलावा मां बनने के बाद भी आप अपने स्तनों में बदलाव महसूस कर सकती हैं। गलत खानपान, पोषण की कमी, तनाव और खराब पॉश्चर भी ब्रेस्ट के ढीलेपन के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

आपके समग्र स्वास्थ्य से संबंधित है ब्रेस्ट का आकार-पारस हॉस्पिटल में फीजियो हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. आशिमा नय्यर सुझाव देती हैं कि एक्सरसाइज करना न केवल ब्रेस्ट के लिए फायदेमंद है बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए भी स्वास्थ्यवर्धक है। ढीले स्तन कई कारणों से होते हैं। आमतौर पर उम्र बढ़ना, गर्भावस्था, धूम्रपान और हार्मोन में बदलाव आपके स्तनों के आकार और कसावट पर असर डालते हैं। ढीली ब्रेस्ट में सुधार करने के लिए कसरत के साथ-साथ लाइफस्टाइल में बदलाव भी बहुत जरूरी है।

क्या कहते हैं शोध -एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक आप सैगी ब्रेस्ट को एक्सरसाइज की मदद से ठीक कर सकती हैं। ब्रेस्ट में कोई मसल नहीं होती। आप उनके नीचे की मसल्स को ठीक कर ब्रेस्ट में कसाव ला सकती हैं। इन मसल्स को पेक्टोरलिस मेजर कहते हैं। जिनकी वजह से आपकी ब्रेस्ट थोड़ा लिफ्ट हो जाती है।इसके बावजूद आपको चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि आप कुछ एक्सरसाइज और कुछ प्रयासों द्वारा दोबारा अपनी ब्रेस्ट को शेप में ला सकती हैं।

1 कोबरा पोज-यह एक बहुत ही सिंपल सा आसन है। जिसे आप रोजाना कर सकती हैं। आपको सबसे पहले पेट के बल लेट जाना है। फिर अपने दोनों पैरों को अलग-अलग कर लें। अब धीरे-धीरे अपने मुंह को उठाएं और ऊपर की ओर देखना शुरू करें। धीरे-धीरे उठते हुए अपनी छाती तक आ जाएं और ऊपर की ओर ध्यान रखें। अब इसी अवस्था में आधा मिनट तक रहें।इसे आप एक वार्म अप एक्सरसाइज के रूप में भी कर सकती हैं।

2 ट्रैवलिंग प्लैंक-प्लैंक आपकी फिटनेस के लिए बहुत अच्छी एक्सरसाइज है। अगर आप उसमें भी कुछ एक्स्ट्रा जोड़ देती हैं तो यह और अधिक बेहतर बन जाती हैं। इस प्लैंक को करने के लिए आपको सबसे पहले नॉर्मल प्लैंक की अवस्था में आ जाना है। अपने हाथों को कंधों के ठीक नीचे रखें।

शिक्षक का सम्मान जनसेवक से भी बढ़कर, तीन दशक की सरकारी सेवा का तीस किलो की माला पहनाकर कर किया नागरिक अभिनंदन

प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार माली को अभिनंदन में लग्जरी गाड़ी सहित मिलें अनेक उपहार

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

जनप्रतिनिधि, राजनेता व जनसेवक का सम्मान अभिनंदन उनके समर्थकों की ओर से मौके-बेमौके अक्सर होता देखा,सुना पढा गया। लेकिन लक्ष्मणगढ़ में भी एक शिक्षक का सम्मान साथी शिक्षकों व उनके सहयोगी साथियों की ओर से किया गया जो न केवल यादगार बना अपितु ऐतिहासिक भी रहा। सम्मान भी ऐसा कि मंचस्थ अतिथियों ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि एक शिक्षक का ऐसा सम्मान जनप्रतिनिधियों, राजनेताओं व जनसेवकों की तरह होना लोकप्रियता का प्रमाण है, कार्य के प्रति निष्ठा,लगन मेहनत का जीवंत उदाहरण है। जी हां हम बात कर रहे है राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर 9 लक्ष्मणगढ़ के प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार माली के द्वारा तीन दशक की राजकीय सेवा पूर्ण करने पर विद्यालय परिवार की ओर से आयोजित अभिनंदन समारोह की।शिक्षाविद, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं व प्रबुद्ध जनों की की उपस्थिति में आयोजित समारोह में प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार माली का साफा पहनाकर,शाल ओढ़ाकर, श्रीफल व प्रतिक चिन्ह भेंट कर 30 किलों की माला पहनाकर व अभिनंदन पत्र भेंट किया। इस अवसर पर शिक्षण संस्थानों, सामाजिक व सार्वजनिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने माल्यार्पण कर साफा पहनाकर,शाल ओढ़ाकर व प्रतिक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार माली की धर्मपत्नी श्रीमती संतरा देवी पिताश्री नागरमल, माताश्री श्रीमती मणी देवी का भी विद्यालय परिवार

की ओर से माल्यार्पण व गुलदस्ता भेंट कर, साफा पहनाकर,शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। समारोह में शिक्षाविद नरेंद्र दाधीच, रामनिवास शर्मा, रिछपाल सिंह मील, युसूफ अली, पत्रकार बाबूलाल सैनी, शिव भगवान गौरा, गोविंद राम जांगिड़ ने संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार माली के द्वारा शिक्षा व सामाजिक क्षेत्रों में किए कार्यों के बारे विस्तार से बताते हुए उन्हें समर्पित व आदर्श शिक्षक बताया तथा सामाजिक क्षेत्र किए जा रहे कार्यों की सराहना की। अपने अभिनंदन से अभिभूत प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार माली ने समारोह में अपने संस्मरण सुनाते हुए की गई सेवाओं के दौरान स्वंय की प्रेरणा व प्रेरक के रूप में दानदाताओं की ओर से विधार्थियों के लिए शिक्षा सामग्री व स्कूलों में भौतिक संसाधनों व निर्माण कार्य के लिए किए गए आर्थिक सहयोग के लिए भामाशाहों, दानदाताओं व संगठनों का स्मरण करते हुए उनका आभार जताते हुए स्वयं की ओर से स्कूल में विधार्थियों के लिए फर्नीचर देने की घोषणा की ।

कार्यक्रम का संचालन कैलाश शर्मा व राजेश बिंवाल ने किया जबकि विद्यालय के शारीरिक शिक्षक विनोद कुमार शिवरान ने आभार जताया। समारोह में महेंद्र कुमार माली, श्रीमती संतरा देवी, राजस्थान माध्यमिक शिक्षा निदेशालय बीकानेर के सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक रिछपाल सिंह, सेवानिवृत्त अतिरिक्त निदेशक रामनिवास शर्मा, सेवा निवृत्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लक्ष्मणगढ़ नरेंद्र दाधीच,मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी फतेहपुर ताराचंद, सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी युसूफ अली, कंपनी सेक्रेटरी वैजनाथ माली, पत्रकार बाबूलाल सैनी,उपकोषाधिकारी सज्जन कुमार सैनी, राजकीय जोधराज मोहनलाल बजाज उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य शिव भगवान गौरा, राजेंद्र प्राचार्य मरूधरा बीएड कॉलेज, राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत लक्ष्मणगढ़ के अध्यक्ष महेश गढ़वाल, पूर्व अध्यक्ष प्रेम सिंह डोटासरा महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य कुरडाराम धाभाई, पूर्व पार्षद राधेश्याम सैनी, महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान सीकर के उपाध्यक्ष रामगोपाल राकसिया, सेवानिवृत्त लेखाधिकारी बनवारी लाल शर्मा,सैनी समाज के अध्यक्ष रामगोपाल चुनवाल, समाजसेवी नागर मल, आचार्य रामगोपाल शास्त्री,पन्नाराम फतेहपुर, डॉ राजेंद्र आर्य लाडनूं, ओमप्रकाश सैनी सीकर सांवरमल मंचस्थ अतिथि थे। इस अवसर पर राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक छगनलाल शास्त्री, व्यवसायी दीपक जाजोदिया,सहायक लेखाधिकारी प्रथम झाबरमल माली, वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक बनवारी वेदी रामस्वरूप सैनी, व्याख्याता दिलीप कुमार सैनी, बैंक मैनेजर अनिल कुमार सैनी,केन्द्रीय विद्यालय जयपुर के वरिष्ठ अध्यापक भागीरथ मल सैनी, सेवानिवृत्त शिक्षक नथमल मावलियों की ढाणी,व्यवसायी लख्खी प्रसाद सैनी, शेखावाटी के लोक कलाकार चिरंजीलाल सैनी , सुशील कुमार सैनी,सैनी समाज के पूर्व अध्यक्ष पूर्णमल राकसिया, बनवारी लाल टांक, व्यवसायी विनोद टांक, फूलचंद रकसिया,नरेंद्र सोनी , गोविंद जांगिड़ ,जगदीश पारीक, मानाराम महरिया,विनोद पंवार, मनोहर लाल शर्मा, राजेंद्र कुमार शर्मा,मनोज कुमार राकसिया , विनोद गौड़,दीपक कटारिया, महावीर जाजम,रतनलाल , कानाराम, श्रवण खींचड़ एडवोकेट रविंद्र शर्मा , व्यवसायी संजय सैनी,एसएमसी अध्यक्ष माया देवी, गोविंद राम जांगिड़ पूर्व प्रधानाध्यापिका श्रीमती संतोष, व्यवसायी मयंक गोयनका, प्रवीण ध्यावडा, राजकुमार सोती, विश्वनाथ टांक, प्रदीप शर्मा,बैंक मैनेजर मुकेश गुप्ता, देवेन्द्र खींचड़, सेवानिवृत्त तहसीलदार महावीर राकसिया, सेवानिवृत्त पुस्तकालय अध्यक्ष रामस्वरूप भभेवा, पार्षद एडवोकेट सज्जन सतरावला, शिवप्रकाश राकसिया, कुंभाराम, राकेश टांक, कैलाश टांक,बुद्धप्रकाश अलखपुरा ,कैलाश खडोलिया राजलदेसर, प्रमोद सैनी सीकर, दामोदर सांखला मंडावा, किशनलाल रामगढ़ शेखावाटी, भारतीय थल सेना के विजेन्द्र चाहर, श्रवण जांगिड़ फतेहपुर, राजकुमार राव प्रहलाद जांगिड़, महेंद्र धायल, महावीर प्रसाद, सांवरमल शर्मा पुननी मुमताज अली, बीरबल फतेहपुर, राजकुमार शर्मा,रवि मुद्गल, रमजान अली, महावीर नेहरा, मंगलचंद सैनी फतेहपुर सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे। इस दौरान विद्यालय स्टाफ की ओर से विनोद पीटीआई, रश्मि गुप्ता,सरोज देवी, अनिता आलडिया, सुशीला ,सुनिता आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

मूक-बधिर एवं मानसिक विमंदित बच्चों के साथ समिति ने मनाया अनूठा 'फागोत्सव'

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । शहर में होली का पर्व सेवा, संवेदना और आत्मीयता के रंगों के साथ मनाया गया। श्री रूद्र हनुमान सेवा समिति एवं श्री गुरु अर्जुन दास सत्संग भवन द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशेष पहल करते हुए पवनपुरी स्थित सेवाश्रम में रह रहे मूक-बधिर एवं मानसिक विमंदित बच्चों के साथ अनूठा 'फागोत्सव' आयोजित किया गया। समिति के सदस्य सेवाश्रम पहुंचे और बच्चों के साथ फूलों की होली खेलकर उन्हें गुलाल का तिलक लगाया। बच्चों के चेहरों पर सजी मुस्कान और उल्लास ने कार्यक्रम को भावनात्मक बना दिया। समिति की ओर से बच्चों को उपहार स्वरूप हर्बल गुलाल एवं बिस्किट वितरित किए गए।

फूलों की होली और हर्बल गुलाल का संदेश

कार्यक्रम के दौरान रास-रंग के साथ पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया। सदस्यों ने पक्के रंगों से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए फूलों और हर्बल गुलाल से होली खेलने का आह्वान किया।

होली का आध्यात्मिक महत्व बताया

इस अवसर पर श्री गुरु अर्जुन दास जी ने होली के आध्यात्मिक पक्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि होली के रंग केवल बाहरी उत्सव नहीं, बल्कि आत्मा की ऊर्जा और

सकारात्मकता के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि रंगों का संबंध मानव शरीर के सात चक्रों और आभामंडल से भी जुड़ा है तथा यह पर्व आपसी प्रेम, ऊर्जा और खुशियों के संगम का प्रतीक है। संस्था की प्रचार मंत्री उषा गुप्ता ने सुरक्षित और पर्यावरण हितैषी होली मनाने की अपील करते हुए कहा कि हमें रासायनिक रंगों से बचना चाहिए और प्राकृतिक साधनों का उपयोग करना चाहिए, जिससे स्वास्थ्य एवं प्रकृति दोनों सुरक्षित रहें।

प्रमुख सदस्य रहें उपस्थित

कार्यक्रम में आश्रम के व्यवस्थापक मनोज सहित समिति के प्रमुख सदस्य अभिषेक गुप्ता, उषा गुप्ता, बसंत किराडू, हिमांशु किराडू, अनिल स्वामी, वैभव, हिमांशी एवं मयंक उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी वे वंचित वर्ग के साथ इसी प्रकार खुशियाँ साझा करते रहेंगे।

माय भारत द्वारा जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता आयोजित, ग्रामीण प्रतिभाओं ने दिखाया दम

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

मेरा युवा भारत (माय भारत) युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में रॉयल इंडियन ह्यूमन सोसाइटी एवं युवा ग्रामीण प्रगति संस्थान के सौजन्य से जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन स्वर्ण जयंती स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता में कबड्डी, वालीबॉल, दौड़ एवं रस्साकसी जैसी विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाएं आयोजित हुईं, जिनमें जिलेभर के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम संयोजक एवं नेशनल यूथ आइकॉन वकील विजयहिन्द जालिमपुरा ने बताया कि प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि अजय चाहर रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला युवा अधिकारी मधु यादव ने की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम एवं महिला प्रीमियर लीग (WPL) की खिलाड़ी हैप्पी खीचड़ रहीं। विशिष्ट अतिथियों में समाजसेवी विजयगोपाल मोटसरा, जिला खेल

अधिकारी राजेश ओला, पहलवान अमित चौधरी की माता अनीता चौधरी एवं विजय डिफेंस एकेडमी के निदेशक अनिल कुमार शामिल रहे। प्रतियोगिता के परिणामों में वालीबॉल में पिलानी की टीम विजेता एवं अलसीसर उपविजेता रही। कबड्डी प्रतियोगिता में अलसीसर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि नवलगढ़ की टीम उपविजेता रही। दौड़ प्रतियोगिता के बालक वर्ग में राहुल प्रथम, दीपेश द्वितीय एवं अंकित तृतीय स्थान पर रहे, वहीं बालिका वर्ग में आरती ने प्रथम, दीपिका ने द्वितीय एवं पिंकी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रस्साकसी प्रतियोगिता में विजय डिफेंस एकेडमी की टीम विजेता रही। प्रतियोगिता के समापन पर सभी विजेताओं को अतिथियों द्वारा कप, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि अजय चाहर ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत खेलों के क्षेत्र में विश्व पटल पर तेजी से उभर रहा है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने युवाओं को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। महिला क्रिकेटर हैप्पी खीचड़ ने युवाओं को सफलता प्राप्त करने के लिए लगन, अनुशासन एवं जुनून के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। जिला युवा अधिकारी मधु यादव ने माय भारत जैसे मंच को युवाओं के कौशल विकास एवं प्रतिभा निखारने के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में मैच रेफरी की भूमिका शेर सिंह, धनेश गुर्जर, मनीष एवं बाबूलाल गुर्जर ने निभाई। इस अवसर पर नवीन कालेर, अंकित कालेर व जय महला को विशेष सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन से जिले के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह एवं प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा मिला।

बेटी के जन्म उत्सव को मनाया उमंग उत्सव समारोह के रूप में

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नगर कांग्रेस कमेटी नीमराना द्वारा नगरपालिका क्षेत्र के गांव मोहलडिया में बेटी जन्मोत्सव को उमंग उत्सव के रूप में मनाने की पहल को आगे बढ़ाते हुए एक सराहनीय सामाजिक पहल देखने को मिली। गांव में जन्मी नन्ही बेटी शिया पुत्री श्री मनीष यादव माता भारती देवी एवं नव्या पुत्री काजल देवी के जन्म की खुशी को सार्वजनिक सम्मान के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी के नेतृत्व में बच्ची के माता-पिता का फूलमालाओं से स्वागत किया गया। उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा नवजात बेटी के लिए खिलौने देकर शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में

बेटी के जन्म को उत्सव के रूप में स्वीकार करने और 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी सकारात्मक सोच को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से नगर उपाध्यक्ष संजय कुमार यादव, नगर उपाध्यक्ष महावीर चर्खिया, योगेश यादव, प्रशांत शर्मा, मौजीराम यादव, रा.गां.पं.राज. उपाध्यक्ष बच्ची के दादा इंदरसिंह एवं दादी सरला देवी, ग्रामीण होशियार यादव, रामावतार विककी, रामप्यारी देवी, राज देवी, प्रेम देवी, माया देवी, लाजवंती देवी, राधा देवी, रामप्यारी सहित अन्य सम्मानित ग्रामीण मौजूद रहे। सभी उपस्थित लोगों ने नन्ही हुमीशा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए परिवार को शुभाशीष दिए और बेटियों के सम्मान में ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

मंडावर से दौसा तक गूंजी हुंकार: यूजीसी महाआक्रोश रैली में शामिल होने बड़ी संख्या में सवर्ण समाज बसों से रवाना

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । उच्च शिक्षा के नए प्रावधानों को लेकर उठी आवाज रविवार को मंडावर की सड़कों पर जनशक्ति के रूप में दिखाई दी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की हालिया अधिसूचनाओं के विरोध में सवर्ण समाज के लोग बड़ी संख्या में संगठित होकर दौसा के लिए रवाना हुए। कस्बे की पंचायती धर्मशाला से शुरू हुआ यह कूच मुख्य बाजार से होते हुए तहसील कार्यालय के मुख्य गेट तक पहुंचा, जहां सवर्ण समाज के लोगो ने नारेबाजी कर अपने विरोध को मुखर किया और इसके बाद

बसों में सवार होकर यूजीसी महाआक्रोश रैली में भाग लेने के लिए दौसा के लिए प्रस्थान किया। इस दौसा कूच की रूपरेखा शनिवार को आयोजित संयुक्त बैठक में तय की गई थी। बैठक में सवर्ण समाज के वक्ताओं ने कहा था कि उच्च शिक्षा संस्थानों में नियुक्ति, पदोन्नति और चयन प्रक्रिया यदि पारदर्शी, न्यायसंगत और मेरिट आधारित नहीं रहेगी तो इसका प्रतिकूल प्रभाव सीधे प्रतिभाशाली युवाओं के भविष्य पर पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान प्रदत्त समान अवसर और विधिक संतुलन की भावना के अनुरूप ही किसी भी नियम को लागू किया जाना चाहिए, अन्यथा यह प्रतिस्पर्धात्मक व्यवस्था को कमजोर करेगा। निर्णय लिया गया कि लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात सरकार तक पहुंचाई जाएगी तथा व्यापक जनभागीदारी के साथ दौसा में प्रस्तावित महाआक्रोश रैली में मंडावर की सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई जाएगी।

रविवार सुबह करीब दस बजे पंचायती धर्मशाला पर मंडावर क्षेत्र के ब्राह्मण, अग्रवाल, खंडेलवाल, जैन, क्षत्रिय और महावर समाज सहित विभिन्न वर्गों के लोग एकत्र हुए। महिला और पुरुषों की उल्लेखनीय भागीदारी के बीच शांतिपूर्ण एवं अनुशासित ढंग से यूजीसी के विरोध में नारेबाजी करते हुये पैदल मार्च निकाला गया। मुख्य बाजार से गुजरते हुए जुलूस तहसील कार्यालय के गेट तक पहुंचा, जहां से सभी बसों के जरिए दौसा के लिए रवाना हुए।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट का चतुर्थ होली महोत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

झुंझुनू में लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा चतुर्थ होली महोत्सव का भव्य एवं उल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री लक्ष्मी नाथ पाठशाला (पुराना पोस्ट ऑफिस परिसर) में किया गया, जहां महिलाओं ने फूलों से होली खेलकर प्रेम, सौहार्द और संस्कृति का सुंदर संदेश दिया।ट्रस्ट के झुंझुनू प्रभारी मनोज कुमार गनोलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि इस विशेष आयोजन में शहर की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पारंपरिक होली के धमाल गीतों पर महिलाओं ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को भक्तिमय और उत्सवी बना दिया। फूलों की सुगंध और रंग-बिरंगे परिधानों से सजा परिसर आनंद और उमंग से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। उनकी रंगारंग प्रस्तुतियों पर उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से उत्साहवर्धन किया। महोत्सव के समापन पर सभी उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों को फलाहार वितरित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में ग्यारसी कुमारी सबल, वीना रानी, प्रिया गहन, ममता कुमावत, सोनू कुमावत, संजू कुमावत, कौशल्या कुमावत, कविता रोलन, कौशल्या देवी, किरण मेघवाल, सुरेश सीमार, नरोत्तम दुलगच, प्रदीप दुलगच, राजेंद्र कुमार कनोड़िया, विनोद कुमार बाकोलिया सहित अनेक सहयोगियों का विशेष योगदान रहा। यह आयोजन न केवल होली के पारंपरिक उत्सव का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक एकजुटता और महिला सशक्तिकरण का भी प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता नजर आया।

नई शिक्षा नीति पर आधारित भूगोल विषय की पुस्तकों का हुआ विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । खेतड़ी कस्बे के शिक्षाविद् डॉ. धीरज कुमार, हरमेंद्र सिंह चनानिया एवं डॉ. धर्मवीर जानू द्वारा नई शिक्षा नीति के अनुरूप तैयार की गई भूगोल विषय की पुस्तकों का विधिवत विमोचन किया गया। यह पुस्तकें पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर के स्नातक स्तर चतुर्थ एवं षष्ठम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए तैयार की गई हैं। विमोचन समारोह में रामकृष्ण मिशन के सचिव आत्मानिष्ठ महाराज ने पुस्तकों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने नई शिक्षा नीति के अनुरूप तैयार इन पुस्तकों की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया। प्रकाशित पुस्तकों में 'राजस्थान का भूगोल', 'मानव एवं प्राकृतिक पर्यावरण' तथा 'सामान्य जलवायु विशेषताएं' जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं, जो विद्यार्थियों को समसामयिक

और पाठ्यक्रम आधारित ज्ञान प्रदान करेंगी। डॉ. धीरज कुमार और हरमेंद्र सिंह चनानिया की इस शैक्षणिक उपलब्धि पर कस्बेवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

SUI के राष्ट्रीय अध्यक्ष के शपथ ग्रहण में बीकानेर की दमदार मौजूदगी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नई दिल्ली/बीकानेर।

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के शपथ ग्रहण समारोह में बीकानेर इकाई ने जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई। बीकानेर शहर जिलाध्यक्ष हरीराम गोदारा के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे और संगठनात्मक एकजुटता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। समारोह के दौरान 'NSUI जिंदाबाद' और 'छात्र शक्ति जिंदाबाद' के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। बीकानेर से पहुंचे कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। राष्ट्रीय नेतृत्व के समक्ष अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराते हुए कार्यकर्ताओं ने यह संदेश दिया कि

बीकानेर जिला संगठन पूरी मजबूती के साथ संगठन हित में कार्य कर रहा है।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष हरीराम गोदारा ने संबोधित करते हुए कहा कि संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए बीकानेर का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी जिले में संगठन की सक्रियता और मजबूती को दर्शाती है। कार्यक्रम में शामिल युवाओं ने छात्र हितों की लड़ाई को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। साथ ही आने वाले समय में छात्र राजनीति में सकारात्मक बदलाव लाने और छात्र समस्याओं के समाधान के लिए समर्पित रहने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। बीकानेर इकाई की इस प्रभावशाली उपस्थिति से जिले के संगठनात्मक प्रभाव और मान-सम्मान में भी वृद्धि हुई है।

कठे सैं आई सूंठ कठे स्यूं आयो जीरो.... मंडावा में पालिका चौक में आयोजित फाग महोत्सव में गूंजे फाग गीत

मंडावा नगरपालिका की ओर से आयोजित 'रंग रसियो फागण महोत्सव' में बिखरे रंग, उमड़ा जनसैलाब

फागण की मस्ती में सराबोर होकर झूमा मंडावा :

चंग की थाप, ढप की गूंज, बांसुरी की मधुर धुन और रसिया गीतों पर जमकर थिरके विदेशी पर्यटक

'रंग रसियो फागण महोत्सव' में रंग, रस और राग का अद्भुत संगम

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । ज्यों ज्यों होली नजदीक आती जा रही है फाल्गुनी कार्यक्रम भी अपने परवान पर चढ़ता हुआ नजर आ रहा है। कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को मंडावा फतेहपुर बस स्टेण्ड के पास स्थित नगरपालिका चौक रंग रसिया फाग उत्सव 2026 का आयोजन किया गया। मंडावा नगरपालिका द्वारा रंग रसिया फागोत्सव 2026 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत लोकगीत कलाकार नितिन बाखाड़िया टीम द्वारा की गई। फतेहपुर से पहुंची ढप की टीम द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई जिसे देखने और सुनने के लिए हजारों की संख्या में स्थानीय लोग सहित विदेशी पर्यटक भी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। मंडावा नगरपालिका द्वारा आयोजित भव्य रंग

रसियो फागण महोत्सव में रविवार शाम को रंगों, उमंग और लोक संस्कृति की छटा से सराबोर नजर आया। फाल्गुन की मादक बयार के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में जनसैलाब उमड़ पड़ा और पूरा वातावरण होली के उल्लास से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़ राजेंद्र ठेकेदार, डिप्टी हरिसिंह धायल,थाना प्रभारी रामनारायण चोयल, ईओ जैकी राम गोयल ने ढप पर थाप लगाकर किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़ ने लोक गीतों पर ठुमके लगाकर कार्यक्रम में ओर अधिक उत्साह बढ़ाया। शेखावाटी की लोक संस्कृति को जीवंत रखने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़ ने कहा कि वर्तमान समाज की भागदौड़ की व्यस्ततम जिंदगी में लोक संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए ऐसे कार्यक्रमों को करना चाहिए। उन्होंने कलाकारों की प्रशंसा की। कलाकारों ने शेखावाटी लोक कला एवं संस्कृति के अनेकों गानों पर देर शाम तक धमाल मचाई। कुर्ता पायजामा और पचरंगी साफ़ा पहने युवा गायकों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं ।

भव्य रंग रसियो फागण महोत्सव कार्यक्रम में, पारंपरिक अंदाज में हुआ स्वागत

पालिका अधिशाषी अधिकारी जैकी राम गोयल सहित पालिकाकार्मिकों -ने मुख्य अतिथि सहित मंच पर उपस्थित अतिथियों का दुपट्टा एवं राजस्थान की आन-बान-शान साफा पहनाकर अभिनंदन किया।

लोक संस्कृति का जीवंत उत्सव

लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां और फागण के पारंपरिक गीतों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मंडावा की सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव का जीवंत उदाहरण बन गया।

रंग, रस और एकता का संदेश

लोक कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियां और फागण के पारंपरिक गीतों ने महोत्सव को जनउत्सव में बदल दिया। यह आयोजन केवल होली उत्सव नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एकता का भी भव्य प्रदर्शन बना। कार्यक्रम का संचालन जय प्रकाश सोनी ने किया और मंडावा ईओ जैकी राम गोयल ने आभार प्रकट किया।

चंग की थाप से हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़, डिप्टी हरिसिंह धायल,राजेंद्र ठेकेदार,ईओ जैकी राम गोयल, थानाधिकारी रामनारायण चोयल ने पारंपरिक चंग पर थाप लगाकर किया। जैसे ही चंग और ढप की थाप गूंजी, पूरा पांडाल फागण के रंग में रंग गया।

ये रहे मंचासीन महानुभाव

पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़, डिप्टी हरिसिंह धायल,थाना प्रभारी रामनारायण चोयल,पूर्व पालिकाध्यक्ष राधेश्याम सैनी, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष विजेंद्र सैनी, भोलासिंह यदुवंशी, इब्राहिम रंगरेज, संजय घुघरवाल, विद्याधर सैनी, मोहनलाल सैनी भाजपा मंडल अध्यक्ष, संजय मील, प्रवक्ता पूर्व भाजपा जिला मंत्री संदीप शर्मा, सीताराम सैनी, शिवचरण गाड़ोदिया, संजय रामगढ़िया,पूर्व पार्षद कैलाश शर्मा, रामस्वरूप चौपदार, बाबूलाल सैनी, संदीप परिहार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आनंद सोलंकी, नरेंद्र कुमार, राजपाल सिंह, पूरणमल सैनी, सत्यनारायण शर्मा, तेजपाल सेन, मुकेश कुमार , कपिल बावलिया, धर्मेंद्र डारा, राहुल कुमार, अरविन्द कुमार , सहीराम ढाका मंच पर थे

ढप-बांसुरी की धुन पर खूब थिरके कलाकार ओर विदेशी

ढप की थाप, बांसुरी की मधुर तान और फागण के रसिया गीतों पर पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़ सहित अनेक रंग रसियो ने जमकर लोक नृत्य में हिस्सा लिया। मंच के सामने उत्साह और उमंग का ऐसा दृश्य था कि उपस्थित जनसमूह भी खुद को झूमने से रोक नहीं सका।

राजस्थान पब्लिक स्कूल जखराना में छात्रवृत्ति परीक्षा सम्पन्न, 597 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

भीम प्रज्ञा न्यूज.जखराना।

राजस्थान पब्लिक स्कूल जखराना में शनिवार को छात्रवृत्ति परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। परीक्षा में कुल 597 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस परीक्षा में जखराना एवं आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ हरियाणा के निकटवर्ती गांवों से भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए।विद्यालय प्रशासन के अनुसार परीक्षा परिणाम 05 मार्च 2026 (गुरुवार) प्रातः 10 बजे घोषित किए जाएंगे। परिणाम संबंधी जानकारी के लिए अभिभावक एवं विद्यार्थी संस्था के मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। विद्यालय की ओर से परीक्षा में वरियता प्राप्त छात्र-छात्राओं को उनकी ट्यूशन फीस में 100 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जाएगी, जिससे मेधावी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिल सके। परीक्षा समापन के अवसर

पर प्राचार्य योगेश यादव ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया और कहा कि इस प्रकार की परीक्षाएं विद्यार्थियों को अपनी क्षमता परखने का अवसर प्रदान करती हैं, जिसका सभी को लाभ उठाना चाहिए। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव, विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर की चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, प्रबंध निदेशक पीयूष यादव, डायरेक्टर डॉ. रविन्द्र यादव, राजस्थान ग्रुप ऑफ एज्यूकेशन जखराना के डायरेक्टर डॉ. सुभाष सिंह, पी.जी. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. लोकेश कुमार, आर.पी.एस. स्कूल किड्स ब्लॉक इंचार्ज राधा चूग, आईटीआई प्राचार्य सतीश यादव सहित समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का आयोजन सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ, जिसे अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने सराहा।

वीरासना में कन्हैया दंगल में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना का हुआ ऐतिहासिक स्वागत

भक्ति-संस्कृति से सराबोर हुआ ग्रामीण अंचल

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

ग्राम पंचायत मुख्यालय वीरासना में आयोजित विशाल कन्हैया दंगल का रविवार को भव्य और गरिमामय समापन हुआ। ग्रामीण आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक एकता के अद्वितीय संगम बने इस आयोजन में प्रदेश के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना तथा महवा विधायक राजेंद्र मीणा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंत्री के आगमन पर ग्रामीणों ने परंपरागत आतिथ्य की मिसाल पेश करते हुए उन्हें घोड़ी पर विराजमान कर गाजे-बाजे और जयघोष के साथ आयोजन स्थल तक पहुंचाया। मार्गभर पुष्पवर्षा होती रही और युवाओं-कार्यकर्ताओं के उत्साह से पूरा गांव उल्लास के रंग में रंग गया। समारोह स्थल पर आयोजक समिति की ओर से कृषि मंत्री को विशाल पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। मंच से संबोधित करते हुए डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने कहा कि कन्हैया दंगल जैसी पावन परंपराएं केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक धरोहर हैं, जो गांव-गांव में आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक समरसता और पारंपरिक मूल्यों को जीवित रखती हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिकता की दौड़ में अपनी जड़ों से जुड़े रहना अत्यंत आवश्यक है और ऐसे आयोजनों

कृषि मंत्री व महवा विधायक का विशाल फूल माला से स्वागत करते ग्रामीण।

के माध्यम से नई पीढ़ी को संस्कार, मर्यादा और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य होता है। मंत्री ने ग्रामीणों की सामूहिक सहभागिता और अनुशासित व्यवस्था की सराहना करते हुए इसे सामाजिक एकजुटता का सशक्त उदाहरण बताया। इस अवसर पर विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि कन्हैया दंगल हमारी मिट्टी की खुशबू, हमारी लोक परंपराओं और गौरवशाली इतिहास का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गांवों में आयोजित होने वाले ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने के साथ-साथ युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का माध्यम बनते हैं। विधायक ने आयोजन समिति की प्रशंसा करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद जिस भव्यता और अनुशासन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, वह पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत है। दंगल के दौरान जब गायक मंडलियों ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, रास और पौराणिक प्रसंगों पर आधारित भजनों की सुमधुर प्रस्तुतियां दीं, तो पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। वीरासना सहित आसपास के दर्जनों गांवों से हजारों श्रद्धालु उमड़े और देर शाम तक भक्ति रस में डूबे रहे। ग्रामीण महिलाओं की पारंपरिक वेशभूषा और युवाओं की उमंग ने आयोजन को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम के अंत में भगवान श्रीकृष्ण से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, अच्छी फसल और खुशहाली की कामना की गई। कृषि मंत्री की मौजूदगी से स्थानीय कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजन समिति ने मुख्य अतिथियों सहित सभी आगंतुकों का आभार प्रकट करते हुए भविष्य में भी इसी तरह सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखने का संकल्प दोहराया। आस्था, संस्कार और लोक संस्कृति का यह विराट आयोजन पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा और वीरासना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि गांवों की मिट्टी में आज भी परंपरा और श्रद्धा की जड़ें गहराई से जीवित हैं।

कैम्ब्रिज किड्स गार्डन पब्लिक स्कूल, सिमनी में विज्ञान दिवस धूमधाम से मनाया

'विज्ञान : वरदान या अभिशाप' नाटक ने मोहा सभी का मन, छात्रों को नवाचार के लिए किया प्रेरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

कैम्ब्रिज किड्स गार्डन पब्लिक स्कूल सिमनी में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना और दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व को समझाना रहा। विज्ञान विषय के अध्यापकों ने विद्यार्थियों को विज्ञान की उपयोगिता, आधुनिक जीवन में उसकी भूमिका तथा निरंतर शोध एवं नवाचार की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाता है।कैम्ब्रिज शिक्षण समूह के निदेशक रहीश यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विज्ञान हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में महत्वपूर्ण योगदान देता है और जीवन को सरल, सुरक्षित व सुविधाजनक बनाने में इसकी अहम भूमिका है। उन्होंने छात्रों को जिज्ञासु बनने, प्रश्न पूछने और नए प्रयोग करने के लिए प्रेरित

किया।कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति के रूप में विद्यार्थियों ने 'विज्ञान: वरदान या अभिशाप' विषय पर एक प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से विज्ञान के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को संतुलित ढंग से दर्शाया गया, जिसे उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा। विद्यार्थियों की अभिनय प्रतिभा और संदेशपूर्ण प्रस्तुति ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।इस अवसर पर संस्था के निदेशक रहीश यादव, चेयरमैन हरि कृष्ण यादव, 'बी' ब्लॉक प्रधानाचार्य रविन्द्र जांगिड़, 'ए' ब्लॉक प्रधानाचार्य राजेश यादव, 'सी' ब्लॉक प्रधानाचार्या काजल डुडेजा, सीबीएसई प्रधानाचार्य सुनील यादव, विद्यानंद यादव, मंत्रालय कर्मचारी, समस्त छात्रावास अधीक्षक एवं संपूर्ण स्टाफ उपस्थित रहें। कार्यक्रम का समापन छात्रों के उत्साहवर्धन और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के संकल्प के साथ हुआ। विज्ञान दिवस के इस आयोजन ने विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और रचनात्मक सोच का संचार किया।

जन्मदिवस पर सेवा का संकल्पः एडवोकेट विनय यादव पीथड़ावास ने गौशाला में लगाई सवामणी

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

भांडोरिया। के हरियाणा प्रदेश भाजयुमो कार्यकारिणी सदस्य एवं समाजसेवी एडवोकेट विनय यादव ने अपने जन्मदिवस को सेवा और संस्कार के रूप में मनाते हुए रेवाड़ी के रामपुरा गोशाला में गायों के लिए सवामणी लगाई। रविवार को साथियों संग गौशाला पहुंचे एडवोकेट विनय यादव ने सवामणी के उपरांत विधिवत पूजा-अर्चना कर गौसेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के निजी सचिव कैप्टन भोलाराम, जिला भाजपा सचिव दिनेश यादव टींट, प्रिंसिपल सतीश यादव धवाना, प्रदीप ठेकेदार नारायणपुर तथा भाजयुमो कार्यकारिणी सदस्य संदीप यादव प्राणपुरा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने एडवोकेट विनय यादव को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि एडवोकेट विनय यादव पीथड़ावास समाजसेवा, युवाओं के संगठनात्मक कार्य और जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका के लिए पहचाने जाते हैं तथा केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के करीबी समर्थकों में गिने जाते हैं।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने टीकाराम जूली की माताजी को दी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा रविवार को नीमराना के गांव काठूवास पहुंचे और टीकाराम जूली की माताजी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने स्वर्गीय माताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। इस दौरान उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान मिले और शोकाकुल परिजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल व शक्ति प्राप्त हो। उन्होंने परिवारजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि इस कठिन समय में सभी की संवेदनाएं परिवार के साथ हैं।

कोटकासिम में उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा का भव्य स्वागत, ढोल-नगाड़ों से गूंजा अंबेडकर भवन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा का कोटकासिम स्थित अंबेडकर भवन में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान उत्साह और जोश का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने डॉ. भीमराव अंबेडकर को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा डिप्टी सीएम को माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। कोटकासिम मंडल अध्यक्ष यशपाल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में पंडित वेद प्रकाश शर्मा (अध्यापक), भास्कर कौशिक, भागना नगरम, चुन्नीलाल गुरुजी, संदीप गुरुजी, कृष्ण कुमार (अध्यापक), ओ.एस., एसडीएम गुलाब सहित बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरे वातावरण में स्वागत, सम्मान और उत्सव का भाव बना रहा।

चंग की थाप व फागणिया गीतों पर झूमे प्रवासी

उद्योगपति पवन कुमार डागा के द्वारा आयोजित फागोत्सव में बिखरे लोक संस्कृति के रंग

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

रंग, उमंग और लोक परंपराओं की जीवंत छटाओं के बीच शनिवार रामलीला मैदान के पास को डागा परिवार की ओर से आयोजित हुए फागोत्सव 2026 ने प्रवासियों को लोक संस्कृति से सरोबार कर दिया।

उधोगपति पवन डागा के सौजन्य से हुए आयोजन में शेखावाटी की विरासत को फिर से जीवंत कर दिया। आयोजन में फतेहपुर व सेठों की कोठी की चंग पार्टी के कलाकारों ने चंग की थाप, बांसुरी की मधुर आवाज, डांस व फागणिया गीतों की ऐसी रसधारा बहाई कि दर्शक खुद को थिरकने से रोक नहीं सके। फाग के रंगों में रचें बसें गीतों और लोक धुनों ने शेखावाटी की महक बिखेर दी। फाग महोत्सव में बुजुर्ग से लेकर युवाओं ने उत्साह के साथ भागीदारी निभाई जिससे वातावरण पारंपरिक उत्सव में बदल गया। यह जानकारी देते हुए माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष अनिल सोमानी ने बताया कि कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के पूर्व

मंत्री राजकुमार रिणवा, पूर्व चेयरमैन दिनेश जोशी, प्रवासी उधोगपति ओमप्रकाश डागा, रविन्द्र डागा,सुनीता डागा, मुरारी लाल डागा, महावीर प्रसाद डागा, अश्विनी डागा, कुशुम डागा, हरिप्रसाद सोमानी, सुरेश कुमार, सुनिता सोमानी, प्रेम प्रकाश, कमल गग्गड, प्रदीप कुमार,मनीता चितलांगिया, सुरेश कुमार, शोभा लखोटिया, सुधा गुप्ता,पवन काबरा, रामस्वरूप सोमानी, अनिल कुमार सोमानी, मनोज जालान विष्णु काबरा संतोष काबरा पूर्व पार्षद पवन बूटोलिया पालडीवाल आईटीआई के प्राचार्य राकेश मालवीय,श्री रघुनाथ उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्य गायत्री पोरवाल, महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी, कंपनी सेक्रेटरी वैजनाथ माली, विष्णु काबरा, संजय जोशी, सुशील पुजारी, रमेश पुजारी, रामस्वरूप सैनी, भागीरथ चुनवाल, राजकुमार खीरवेवाला, ओमप्रकाश बनाई, जयप्रकाश सरावगी,दीपक जाजोदिया, संदीप बजाज, विनोद बनाईवाला, नरोत्तम व्यास, वैक्टेश डीडवानिया,पवन पुजारी,मधु दायमा, लक्ष्मीकांत चुडीवाला, लख्खी प्रसाद बादूसरिया, सुरेश बबीपुरिया ओमप्रकाश जांगिड़, विनोद गौड़ मनोज राकसिया, महावीर जाजम , पत्रकार बाबूलाल सैनी,प्रभाष नारनोलिया, शशिकांत पुजारी,सहित बड़ी संख्या प्रबुद्ध जन मौजूद। इस अवसर पर आयोजक पवन कुमार डागा के नेतृत्व में आयोजन समिति के सदस्यों ने प्रवासियों व अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर व साफा ओढ़ाकर स्वागत किया।

श्री खेमका इन्टरनेशनल स्कूल, बुहाना

आप सभी अभिभावकों को सूचित किया जाता है कि हाल ही में आरटीई के तहत 25 प्रतिशत सीटों पर दुर्बल वर्ग एवं एससी, एसटी के छात्रों की प्रवेश प्रक्रिया दिनांक 20-02-26 से जारी है। अतः 04.03.2026 से पूर्व ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें। एडमिशन के लिए आवश्यक दस्तावेज छात्र एवं छात्रा के पिता का आधार कार्ड, मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र आदि दस्तावेज तैयार कर फार्म भरें।

प्रधानाचार्य श्री खेमका इंटरनेशनल स्कूल, बुहाना (झुंझुनूं) राज.
9588880591

गढ़ी रेलवे फाटक ट्रेलर हादसा: पत्नी की मौत के बाद पति ने चालक के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । अलवर-करौली राजमार्ग स्थित गढ़ी रेलवे फाटक पर हुए दर्दनाक ट्रेलर हादसे में पत्नी को खो चुके पति ने अब कानूनी कार्रवाई का सहारा लेते हुए ट्रेलर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इस हादसे ने न केवल एक परिवार की दुनिया उजाड़ दी, बल्कि राजमार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार और लापरवाही को भी कठघरे में खड़ा कर दिया है। पुलिस के अनुसार पहड़ावती निवासी प्रभुदयाल मीणा ने मंडावर थाने में दी गई रिपोर्ट में बताया कि 26 फरवरी को वह अपनी पत्नी रेशम देवी को मोटरसाइकिल पर बैठाकर निजी कार्य से मंडावर आया था। दोपहर करीब 1:45 बजे दोनों कार्य पूरा कर वापस गांव लौट रहे थे। जब वे अलवर-करौली हाईवे पर गढ़ी रेलवे फाटक से पहले पहुंचे, तभी पीछे से तेज गति से आ रहे एक ट्रेलर चालक ने वाहन को लापरवाही से चलाते हुए उनकी बाइक को साइड से जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भयावह थी कि बाइक पर पीछे बैठी रेशम देवी उछलकर सड़क पर गिर पड़ीं और ट्रेलर का पहिया उसके ऊपर से गुजर गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं प्रभुदयाल मीणा बाइक सहित कच्ची पटरी पर जा गिरा

जिससे उसे गंभीर चोट नहीं आई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ एकत्र हो गई। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि घटना के प्रत्यक्षदर्शी सोहन प्रकाश मीणा और राहुल सैन उस समय पैदल रेलवे फाटक की ओर जा रहे थे और उन्होंने पूरी घटना अपनी आंखों से देखी। मृतका के पति की शिकायत पर पुलिस ने ट्रेलर चालक के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाकर मृत्यु कारित करने सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। प्रकरण की जांच एएसआई वीरेंद्र सिंह को सौंपी गई है।

PCP स्कूल चिड़ावा में फागोत्सव-2026 की धूम, चंग की थाप पर थिरके गुरु-शिष्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

PCP स्कूल चिड़ावा में होली पर्व के उपलक्ष्य में फागोत्सव-2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति की अनुपम छटा बिखरी नजर आई। चंग की थाप, फाल्गुनी गीतों और राजस्थानी धमाल पर गुरु और शिष्य जमकर थिरके, जिससे पूरा परिसर उत्साह और उमंग से सराबोर हो गया। फागोत्सव की शुरुआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुई। विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे परिधानों में लोकगीतों और

लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। चंग की गूंज के साथ जब फाल्गुनी गीतों की स्वर लहरियां बही तो वातावरण होली के रंग में पूरी तरह रंग गया। राजस्थानी धमाल के कलाकार भूपेंद्र योगी, विजेंद्र, राजवीर योगी धर्मवीर जांगिड, कन्हैयालाल एंड पार्टी ने विभिन्न राजस्थानी धमालों पर रंगारंग प्रस्तुति दी। राजस्थानी धमाल ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। गुरु-शिष्य की संयुक्त प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। रंगारंग कार्यक्रम में संपूर्ण पीसीसी परिवार होली के रंग रंगमय हो गया और बच्चों ने डफ की थाप पर झूम कर डांस किया। कार्यक्रम के दौरान संस्था निदेशक विक्रम जांगिड़ एवं मनोज जांगिड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश देने वाला पर्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे भारतीय संस्कृति और परंपराओं को आत्मसात करते हुए सामाजिक समरसता को बढ़ावा दें। विद्यालय परिवार की ओर से सभी विद्यार्थियों को सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल होली मनाने का संदेश भी दिया गया। अंत में सभी ने मिलकर एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं। निदेशक ने समस्त क्षेत्र वासियों को रंगों के त्यौहार की ढेर सारी शुभकामनाएं प्रेषित की। फागोत्सव के कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य विद्यार्थी तथा अभिभावक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना समाज में समानता और सशक्तिकरण का प्रतीक : डीसी

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

भांडोरिया। हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना समाज में समानता और सशक्तिकरण का प्रतीक है। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान करना और बेटियों की शादी में आर्थिक चिंताओं को कम करना है। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गों के जरूरतमंद परिवारों की बेटियों और दिव्यांगजन की शादी में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना संचालित की जा रही है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और बेटियों के विवाह के लिए प्रोत्साहन देने का एक सराहनीय प्रयास है।उन्होंने सभी पात्र परिवारों से आह्वान किया है कि वे इस योजना का लाभ उठाएं। डीसी ने बताया कि इस योजना के तहत लाभार्थियों को सहायता राशि प्रदान की जाती है, जिसमें अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति / टपरीवास जाति के लाभार्थियों (जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक हो) की बेटियों के विवाह पर 71,000/- अनुदान राशि प्रदान की जाती है और पिछड़े वर्ग और सामान्य वर्ग के व्यक्तियों (जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक हो) की बेटियों के विवाह पर 41,000/- अनुदान राशि दी जाती है। उन्होंने कहा सभी वर्गों की विधवा/तलाकशुदा/निराश्रित/अनाथ एवं निराश्रित बच्चे (जिनकी पारिवारिक आय 1.80 लाख रुपये प्रति वर्ष या उससे कम हो) की शादी के लिए 51,000/- अनुदान राशि प्रदान की जाती है। इसके साथ-साथ इस योजना के तहत यदि विवाह में दोनों वर-वधू दिव्यांग हैं, तो उन्हें 51,000/- अनुदान राशि दी जाएगी। अगर केवल एक वर या वधू दिव्यांग है, तो 41,000/- की अनुदान राशि दी जाएगी जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक है। खिलाड़ी महिला (कोई भी जाति जिसकी पारिवारिक आय 1.80 लाख रुपये प्रति वर्ष या उससे कम हो) उन्हें 41,000/- की अनुदान राशि दी जाएगी।

डीसी ने बताया कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक को अपनी बेटी के विवाह के बाद 6 माह के भीतर विवाह पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाया गया है। आवेदक https//shaadi.haryana.gov.in/ पोर्टल पर जाकर विवाह पंजीकरण और मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के लिए आवेदन कर सकते है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

श्रीमद्भागवत कथा के दौरान हुआ श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह का प्रसंग

विधायक विक्रम सिंह जाखल कथा में हुए सहभागी आज होगा कथा का समापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । कस्बे के उज्ज्वल सिटी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में रविवार को श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह चरित्र की कथा का बहुत ही सुंदर वर्णन किया । व्यासपीठ से कथावाचक परम् पूज्य राधेश्यामा नंद स्वामी महाराज ने बताया कि ईश्वरीय कार्य में लगे सज्जन लोग ही भगवान के प्रिय सखा की भांति होते है, पर पीड़ा में जो लोग सहभागी होते है , वे ही सच्चे ज्ञानी होते है। संसार मे सच्चा सुख तो भगवान के चरणों में ही मिलता है। कथा से पूर्व आयोजक परिवार नरोत्तम लाल जाँगिड़,राकेश जाँगिड़,नरेश जाँगिड़ ने कथा वाचक एवं विधायक विक्रम सिंह जाखल का माला पहनाकर व पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। साथ ही कथा में पधारे गणमान्य जनों का पुष्पहार पहनाकर अभिनंदन किया। कथा में हरे राम हरे कृष्ण भक्तिमय धुन पर श्रदालु

जमकर झूमे। रुक्मिणी विवाह की शानदार प्रस्तुति पर श्रद्धालु जमकर नाचे गाए ।इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसाद की व्यवस्था भी नियमित रूप से की जा रही है। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और गणमान्य लोग मौजूद थे। आज कथा समापन का समय सुबह 9 बजे से रहेगा तथा समापन के पश्चात् वृंदावन से पधारे संतों के करकमलों से सभी को माला एवं दीक्षा दी जायेगी।

आस्था बेरीवाला ने सीए की परीक्षा में सफलता दर्ज की

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुकुंदगढ़।

कमल किशोर पंवार । आदर्श विद्या मंदिर, मुकुन्दगढ की पूर्व छात्रा आस्था बेरीवाला पुत्री प्रमोद कुमार बेरीवाला ने सी.ए.(C.A.) की परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय, नगर एवं समाज का नाम रोशन किया। इस परिवार के सभी भाई-बहिन विद्या मंदिर में अध्ययन किया । आस्था ने सी.ए. बनकर नगर में इतिहास रचा है। आस्था आदर्श विद्या मंदिर प्रबंध समिति के पूर्व सदस्य स्व. काशीप्रसाद बेरीवाला की पौत्री है। इस अवसर पर विद्या मंदिर परिवार ने हार्दिक शुभकामना एवं बधाई प्रेषित की है।

21 कुंडिय श्याम गायत्री महायज्ञ कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.डूंडलोद।

कमल किशोर पंवार । अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में तीन दिवसीय श्याम महोत्सव की पूर्णाहुति के उपलक्ष्य में श्याम मंदिर प्रांगण डूंडलोद में 21 कुंडिया श्री श्याम गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। श्याम मंदिर समिति के सचिव डॉ. केशरदेव यादव ने बताया कि गायत्री परिवार नवलगढ़ के, प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार दायमा,के संयोजन में राजेंद्र प्रसाद सैनी व विवेक सैनी की टोली के द्वारा गायत्री महायज्ञ का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। यज्ञ के मुख्य यजमान प्रदीप सिंह उदावत, बलबीर सिंह उदावत, सुभाष बुगलिया , शेर सिंह यादव, थे। यज्ञ आचार्य राजेंद्र सैनी ने कहा कि मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता आप स्वयं है,गायत्री मंत्र हमें पुरुषार्थ करना सिखाता है,हम सुधरेंगे, युग सुधरेगा ,हम बदलेंगे, युग बदलेगा का आह्वान किया । कार्यक्रम संयोजक कृष्ण कुमार दायमा ने कहा कि गायत्री मंत्र हमे व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण और समाज निर्माण की सीख देता है।उन्होंने इस वर्ष हर साधक को दो वृक्ष लगाने और उसे बड़ा होने तक उसकी सुरक्षा ,खाद पानी देने का संकल्प करवाया। गायत्री परिवार यज्ञ कर्मकांड के द्वारा सैकड़ों गायत्री मंत्र की आहुतियां, महामृत्युंजय ओर श्याम बाबा व रुद्र देवता की आहुतियां देकर सबके सद्बुद्धि सब के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। नियमित जप करने ,गाय करने इस अवसर पर विकेश कुमार,शंकर लाल गुर्जर,श्रीकांत यादव,दिनश यादव, नरेश टेलर,गायत्री विद्यापीठ की व्यवस्थापिका संतोष दायमा, पार्वती सैनी ,मनीषा धाभाई,राजवीर गुर्जर सहितगायत्री परिवार के सैकड़ों परिजन उपस्थित थे।काफी संख्या सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हजारों आहुतियां दी।

शराब पीकर हुड़दंग करने वालों पर होगी सख्त कार्यवाही - एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

भांडोरिया। रेवाड़ी पुलिस अधीक्षक हेमेन्द्र कुमार मीणा ने जिले के लोगों को रंगों के त्योहार होली की शुभकामना देते हुए कहा कि आपसी सौहार्द के इस त्योहार पर एकता व भाईचारा बना कर रखें। रंगो के त्योहार होली पर हुडदंग न करें। उन्होंने कहा कि रंगों के इस त्योहार को हमें अपने परिवार के साथ मिलकर मनाना चाहिए और आपसी मतभेद को त्याग कर सभी के साथ खुशियां बांटनी चाहिए। रंगों का त्यौहार मनाते समय दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने और संवेदनशील होकर त्यौहार मनाऐं। उन्होंने कहा कि त्योहार की आड़ में उपद्रव जैसी घटनाओं से दूर रहते हुए कानून व नियमों की पालना करतें हुऐ त्यौहार मनाऐं। पुलिस अधीक्षक हेमेन्द्र कुमार मीणा ने होली के त्योहार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न करवाने के लिए जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारियों को सुरक्षा के व्यापक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि होली पर किसी तरह का हुड़दंग ना हो इसके लिए बदमाशों पर कार्रवाई की जाए। ऐसे बदमाश जो अक्सर त्योहारों पर ही बदमाशी करते हुए कानून व्यवस्था और शांति का माहौल खराब करने का प्रयास करते हैं, उन्हें चिन्हित करते हुए कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने थाना प्रभारियों को होली के त्योहार को देखते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बदनीयती से हुड़दंग करने, किसी तरह की अफवाह फैलाने अथवा शांति भंग करने की नियत से जानबूझकर कानून का उल्लंघन करने वाले शरारती असामाजिक तत्वों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शराब पीकर वाहन चलाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष महिला पुलिस

दस्ता भी कार्रवाई की सूरत में रहेगा। सभी पीसीआर, राइडर और डायल 112 को निर्देश दिए गए हैं कि पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से जहां भी अव्यवस्था की सूचना प्राप्त होगी, तुरंत मौके पर जाकर स्थिति से निपटेंगे। त्योहार पर कुछ शरारती/आपराधिक तत्व या शराबियों द्वारा रंगों की आड़ में पुरानी रंजिश निकालने की कोशिश करते हैं। इस प्रकार के शरारती तत्वों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। वहीं होली के दौरान स्पीड बाइकर्स पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। त्योहार पर हुड़दंग करने वालों पर भी सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। शराब पीकर हुड़दंग करने वालों पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी तथा जिला रेवाडी के ग्रामीण क्षेत्रों में होली व धुलण्डी पर लगनें वालें मेलों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करके सुरक्षा के पुख्ता बन्दोबस्त किऐ गऐ हैं। शरारती तत्वों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। हेमेन्द्र कुमार मीणा ने कहा कि कानून व्यवस्था की पालना करते हुए पुलिस का हर संभव सहयोग करें और किसी भी आपत्ति में पुलिस को तुरंत सूचित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की अफवाह पर पर ध्यान ना दें, कोई भी गड़बड़ी होने पर तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दें। इसके अलावा नशे के कारोबारी की भी सूचना दें।

नवलगढ़ क्षेत्र के सैकड़ों सनातनी पहुंचे विराट हिन्दू धर्म सभा सिलवा

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । सिलवा (बीकानेर) में कुलरिया परिवार द्वारा आयोजित विराट हिन्दू धर्म सभा में राजस्थान के विभिन्न जिलों से हजारों सनातनी ने भाग लिया। कार्यक्रम में हिन्दू एकता, धर्म जागरण और सनातन संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया गया। सम्मेलन में पूज्य संत-महात्माओं का सानिध्य प्राप्त हुआ। राज्यपाल हरीभाऊ किशनराव बागडे, वात्सल्य मूर्ति परम पूज्य दीदी मां साध्वी ऋतंभरा ,श्री श्री 108 श्री क्षमाराम महाराज, क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम, माननीय शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, विश्वकर्मा बोर्ड अध्यक्ष रामगोपाल सुथार सहित गणमान्यजन व संत उपस्थित रहे। इस विराट हिंदू धर्म सभा का आयोजक भंवर-नरसी- पूनम कुलरिया परिवार ने किया। संतों ने अपने बौद्धिक उद्बोधन में समाज को संगठित रहने, आपसी भेदभाव मिटाने तथा धर्म के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र से सैकड़ों की संख्या में माताएं, बहनें, युवा एवं बुजुर्ग सहित महन्त योगी चेतननाथ महाराज इस सम्मेलन में शामिल हुए। झुंझुनू एवं सीकर जिलों के विभिन्न क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में समाज, संत व धर्म प्रेमी पहुंचे। नवलगढ़ क्षेत्र से मोहनलाल सैनी, हरिराम सैनी (खंड संपर्क प्रमुख), फूलचंद सैनी,

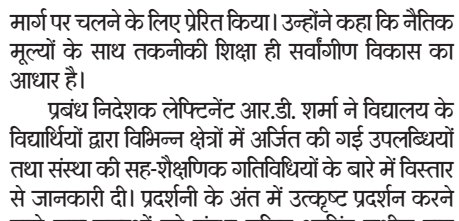

अरुण शर्मा, दिनेश कुमार जांगिड़, पवन शर्मा, प्रकाश चंद्र जांगिड़, सुभाष चंद्र जांगिड़, महावीर जांगिड़, रामकुमार व्यास, ऋषिराज मिश्रा , बाबूलाल शर्मा, सुरेश कुमावत, पुरुषोत्तम सैनी, रंजीत सैनी, पतंजलि सैनी, गोकुल सैनी, माखनलाल सैनी, सत्यनारायण सोलंकी, राजेंद्र कुमार शर्मा, प्रभु दयाल सैनी एवं संपत जांगिड़ सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर सभी के लिए भोजन एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई थी। विशाल संख्या में उपस्थित लोगों के बावजूद व्यवस्थाएं सुचारु रहीं और किसी प्रकार की अव्यवस्था देखने को नहीं मिली।सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिन्दू समाज में जाता, संगठन और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश देना रहा। कार्यक्रम के अंत में संतों के आशीर्वचन के साथ सभा का समापन हुआ।

एम.आर.एस. प्रनामी स्कूल में बिखरे विज्ञान के रंग, नन्हे वैज्ञानिकों ने मॉडल्स से दिखाई अपनी मेधा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था एम.आर.एस. प्रनामी स्कूल में शनिवार को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के उपलक्ष्य में भव्य विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूली विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक सोच, नवाचार और बौद्धिकता का परिचय देते हुए एक से बढ़कर एक मॉडल प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपखंड कार्यालय चिड़ावा के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के.सी. कविया रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था सचिव अरविंद दाधीच ने की। अतिथियों ने माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों ने राजस्थानी परंपरा के अनुसार अतिथियों का साफ़ा पहनाकर और माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया। मुख्य अतिथि के.सी. कविया ने छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार किए गए अनुसंधान परक मॉडल्स का बारीकी से अवलोकन किया और उनकी मेहनत की जमकर सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर जिज्ञासु बने रहना चाहिए। विज्ञान केवल प्रयोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवतावादी सोच विकसित करना भी इसका मुख्य उद्देश्य है। संस्था निदेशक अनिल दाधीच ने बच्चों को ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के

मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों के साथ तकनीकी शिक्षा ही सर्वांगीण विकास का आधार है।

प्रबंध निदेशक लेफ्टिनेंट आर.डी. शर्मा ने विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में अर्जित की गई उपलब्धियों तथा संस्था की सह-शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रदर्शनी के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को संस्था सचिव अरविंद दाधीच द्वारा पुरस्कृत कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस दौरान विद्यालय का समस्त स्टाफ, बड़ी संख्या में विद्यार्थी और अभिभावक मौजूद रहे, जिन्होंने बच्चों के हुनर की खुले मन से प्रशंसा की।

21 कुंडिय श्याम गायत्री महायज्ञ कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.डूंडलोद।

कमल किशोर पंवार । अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में तीन दिवसीय श्याम महोत्सव की पूर्णाहुति के उपलक्ष्य में श्याम मंदिर प्रांगण डूंडलोद में 21 कुंडिया श्री श्याम गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। श्याम मंदिर समिति के सचिव डॉ. केशरदेव यादव ने बताया कि गायत्री परिवार नवलगढ़ के, प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार दायमा,के संयोजन में राजेंद्र प्रसाद सैनी व विवेक सैनी की टोली के द्वारा गायत्री महायज्ञ का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। यज्ञ के मुख्य यजमान प्रदीप सिंह उदावत, बलबीर सिंह उदावत, सुभाष बुगलिया , शेर सिंह यादव, थे। यज्ञ आचार्य राजेंद्र सैनी ने कहा कि मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता आप स्वयं है,गायत्री मंत्र हमें पुरुषार्थ करना सिखाता है,हम सुधरेंगे, युग सुधरेगा ,हम बदलेंगे, युग बदलेगा का आह्वान किया । कार्यक्रम संयोजक कृष्ण कुमार दायमा ने कहा कि गायत्री मंत्र हमे व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण और समाज निर्माण की सीख देता है।उन्होंने इस वर्ष हर साधक को दो वृक्ष लगाने और उसे बड़ा होने तक उसकी सुरक्षा ,खाद पानी देने का संकल्प करवाया। गायत्री परिवार यज्ञ कर्मकांड के द्वारा सैकड़ों गायत्री मंत्र की आहुतियां, महामृत्युंजय ओर श्याम बाबा व रुद्र देवता की आहुतियां देकर सबके सद्बुद्धि सब के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। नियमित जप करने ,गाय करने इस अवसर पर विकेश कुमार,शंकर लाल गुर्जर,श्रीकांत यादव,दिनश यादव, नरेश टेलर,गायत्री विद्यापीठ की व्यवस्थापिका संतोष दायमा, पार्वती सैनी ,मनीषा धाभाई,राजवीर गुर्जर सहितगायत्री परिवार के सैकड़ों परिजन उपस्थित थे।काफी संख्या सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हजारों आहुतियां दी।

टोहाना में सर्वसमाज की ओर से धूमधाम से आयोजित हुआ विराट हिन्दू सम्मेलन

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । सर्व हिन्दू जागरण समिति के तत्वावधान में नई अनाज मंडी, टोहाना में विराट हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, समाजसेवी व धर्मप्रेमी नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न संत-महात्माओं ने अपने ओजस्वी विचारों से समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। कार्यक्रम संयोजक रमेश गोयल को अगुवाई में सभी संतजनों का समिति की और से पटका व शाल भेंट से स्वागत किया गया। कार्यक्रम से पूर्व हवन यज्ञ किया गया जिसमें सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने पूर्ण आहुति डाली। सम्मेलन में वक्ता के रूप मे स्वामी गुरुचरण जी महाराज (पीठाधीश्वर, वाल्मीकि धर्म पीठ, हिसार) ने अपने संबोधन में बताया कि सनातन धर्म केवल आस्था नहीं, बल्कि जीवन जीने की श्रेष्ठ पद्धति है। उन्होंने समाज से आग्रह किया कि अपने मूल्यों, संस्कारों और परंपराओं को अपनाकर ही राष्ट्र को सशक्त बनाया जा सकता है। श्री विनय स्वरूप जी (ब्रह्मचारी) ने कहा कि आज समाज को संयम, सेवा और संस्कार की सबसे अधिक आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं को धर्म और राष्ट्रहित में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

भक्ति के रंग में सराबोर हुआ निर्गुण धाम: गुलाल की महक और भजनों की गूंज के बीच उड़ा फाग

ब्रज की होली का दिखा नजारा: निर्गुण मंदिर में आँवला एकादशी से शुरू हुआ उत्सव धूलंडी तक बरपाएगा रंग।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । शहर के आराध्य देव निर्गुण महाराज मंदिर परिसर में इन दिनों आस्था और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है, जहाँ फागोत्सव की धूम ने समूचे वातावरण को भक्तिमय कर दिया है। आँवला एकादशी के पावन अवसर से शुरू हुआ यह उत्सव धूलंडी तक अनवरत जारी रहेगा, जिसमें श्रद्धालु श्याम बाबा के दरबार में हाजिरी लगाकर फाग के गीतों पर थिरक रहे हैं। मंदिर परिसर में प्रतिदिन आयोजित हो रहे भजन-कीर्तन और फूलों व गुलाल की होली ने भक्तों को भाव-विभोर कर दिया है। विशेष रूप से महिला भक्तों ने अबीर-गुलाल के साथ होली खेलकर और राधा-कृष्ण के जयकारों से आकाश गुंजाकर मंदिर प्रांगण को लघु ब्रज का रूप दे दिया है। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने एक-दूसरे को रंग लगाकर फाग की बधाइयां दीं और श्याम भक्ति के रस में गोते लगाए। मंदिर के महंत सरयू दास

महाराज ने आयोजन की महिमा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि फागोत्सव के तहत बाबा श्याम का प्रतिदिन मनमोहक श्रृंगार किया जा रहा है और विशेष पूजा-अर्चना के साथ ही फाग गायन की सरिता बह रही है। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम और सामाजिक समरसता का प्रतीक है, जो जनमानस में आध्यात्मिक चेतना का संचार करता है। मंदिर में सुबह-शाम होने वाली महाआरती में श्रद्धालुओं का रैला उमड़ रहा है, जहाँ हर कोई श्याम बाबा की एक झलक पाने और झोली भरने की कामना लेकर पहुंच रहा है। ग्रामीण अंचल से आए लोक कलाकारों और महिलाओं द्वारा गाए जा रहे पारंपरिक फाग गीतों की स्वर लहरियों ने ऐसा समां बांधा है कि मंदिर का कोना-कोना श्रद्धा और उल्लास की खुशबू से महक उठा है।

टोहाना में सीआईए की बड़ी सफलता: शातिर चोर गिरफ्तार, कई वारदातों का खुलासा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना। यह

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशानिर्देशानुसार चलाए जा रहे अपराध मुक्त अभियान के तहत चोरी की बढ़ती घटनाओं पर लगाम लगाने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सीआईए टोहाना की टीम ने एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर कई चोरी की वारदातों का पर्दाफाश किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि थाना शहर

टोहाना में 26 फरवरी 2026 को दर्ज अभियोग संख्या 65, धारा 305/331(4) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई। यह मामला वार्ड नंबर 14, गीता कॉलोनी निवासी संतोष देवी की शिकायत पर दर्ज हुआ था, जिनके घर से सोने की बालियां और नकदी चोरी हो गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी दीपक उर्फ राजू पुत्र सुशील उर्फ जैली, निवासी गीता कॉलोनी, टोहाना को काबू किया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी ने न केवल उक्त चोरी की वारदात कबूल की, बल्कि टोहाना की विभिन्न कॉलोनियों में हुई कई अन्य चोरियों में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने अपने साथियों भोली और सुखा के साथ मिलकर पिछले कुछ महीनों में ग्रीन पार्क कॉलोनी, एकता नगर, कृष्णा कॉलोनी सहित अन्य क्षेत्रों में सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। फिलहाल पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। उसके बताए अनुसार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी किए गए सामान की बरामदगी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। मामले की आगामी जांच जारी है। सीआईए टोहाना की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आमजन में विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

टी20 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका का विजय रथ जारी, जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हराकर सुपर 8 में अजेय

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए सुपर एट के अपने आखिरी मैच में जिम्बाब्वे को पांच विकेट से हराकर दक्षिण अफ्रीका ने सुपर एट में अपनी अजेय बढ़त कायम की। 154 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए, प्रोटियाज टीम को पावरप्ले के अंदर ही शुरुआती तीन विकेट गंवाने के बाद मुश्किलों का सामना करना पड़ा। क्विंटन डी कॉक पहले ही ओवर में सिकंदर रजा के हाथों आउट हो गए। जिम्बाब्वे के कप्तान ने अगले ही ओवर में एडन मार्कराम को सिर्फ चार रन पर आउट करके फिर से झटका दिया। रायन रिकेल्टन ने कुछ बड़े शॉट खेले लेकिन छठे ओवर में आउट हो गए। उन्होंने 22 गेंदों में 31 रन बनाए।

डेविड मिलर क्रीज पर देवाल्ड ब्रेविस के साथ शामिल हुए और दोनों ने चौथे विकेट के लिए 50 रन जोड़े, लेकिन ब्लेसिंग मुजरबानी ने 10वें ओवर में उनकी साझेदारी तोड़ दी। मिलर ने 16 गेंदों में दो छक्के और दो चौकों की मदद से 22 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ब्रेविस ने चार छक्के और दो चौके लगाकर मात्र 18 गेंदों में 42 रन बनाए, लेकिन रजा के हाथों आउट हो गए। ट्रिस्टन स्टब्स (24 गेंदों में 21 रन नाबाद) और जॉर्ज लिंडे (21 गेंदों में 30 रन नाबाद) ने दक्षिण अफ्रीका को 13 गेंद शेष रहते हुए आसानी से जीत दिला दी।

जिम्बाब्वे लीग चरण में अपराजित रही, लेकिन सुपर एट में लगातार तीन हार के साथ उसका अभियान समाप्त हो गया। इससे पहले, जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना और प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने के लिए संघर्ष किया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों, जिनमें क्वेना माफाका और एनरिच नॉर्त्जे शामिल थे, द्वारा शुरुआती विकेट लेकर जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया गया। कप्तान सिकंदर रजा ने 73 रनों की शानदार पारी खेलकर एकमात्र प्रतिरोध दिखाया।

जिम्बाब्वे ने पहली पारी के दूसरे ओवर में अपने सलामी बल्लेबाज तादिवानाशे मारुमानी का विकेट खो दिया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज क्वेना माफाका ने जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज को मात्र सात रन पर क्लीन बोल्ड कर दिया। पांचवें ओवर की तीसरी गेंद पर, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्त्जे ने ब्रायन बेनेट को 13 गेंदों में 15 रन पर आउट कर दिया, जिसमें दो चौके शामिल थे। पावर प्ले समाप्त होने के बाद, जिम्बाब्वे का स्कोर 45/2 था। नौवें ओवर में, जॉर्ज लिंडे ने डियोन मायर्स को 16 गेंदों में 11 रन पर आउट कर दिया, जिसमें एक चौका शामिल था। 10वें ओवर की समाप्ति के बाद जिम्बाब्वे ने 80/3 का स्कोर बनाकर अच्छी स्थिति हासिल कर ली।

'हालात हर घंटे डरावने होते जा रहे हैं', दुबई में फंसी पीवी सिंधू ने डरा देने वाली स्थिति का खुलासा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली – दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के लिए बर्मिंघम जाते हुए दुबई हवाई अड्डे पर फंस गई हैं। सिंधू ने डरा देने वाली स्थिति का खुलासा किया है। सिंदू ने बताय कि कुछ घंटे पहले हवाई अड्डे पर जहां हम रुके हुए थे उसके पास एक धमाका हुआ था। हालांकि सिंधू और उनके इंडोनेशियाई कोच इरवांस्याह आदि प्रतामा सुरक्षित हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण उड़ाने रद्द होने के बाद सिंधू और इरवांस्याह दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंस गए हैं। टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू होना है।

ईरान के मिसाइल हमलों के बाद खाड़ी देशों के कुछ हिस्सों में धमाकों की खबरें आई हैं जिसमें संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबु धाबी और दुबई भी शामिल हैं। इसके बाद दुबई हवाई अड्डे पर सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है। सिंधू ने शनिवार रात सोशल मीडिया पर तनावपूर्ण पलों के बारे में विस्तार से बताया।

सिंधू ने 'एक्स' पर लिखा, 'मुश्किल बढ़ती जा रही है और हालात हर घंटे डरावने होते जा रहे हैं। कुछ घंटे पहले हवाई अड्डे पर जहां हम रुके हुए थे उसके पास एक धमाका हुआ।' सिंधू ने लिखा, 'मेरे कोच को जल्दी से उस जगह से भागना पड़ा क्योंकि वह धुएं और मलबे के सबसे करीब थे। यह हम सभी के लिए बहुत तनावपूर्ण और डरावना पल था।' भारत के अधिकतर खिलाड़ी पहले ही बर्मिंघम पहुंच चुके हैं। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी, पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन, युवा आयुष शेट्टी, गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली की महिला युगल जोड़ी बर्मिंघम पहुंच चुके हैं। मालविका बंसोड़ भी पहुंच गई हैं लेकिन उन्नति हुड्डा अब भी भारत में हैं क्योंकि नई दिल्ली से बर्मिंघम के लिए उनकी सीधी उड़ान आखिरी समय में रद्द हो गई थी।

हीली ने विदायी मैच में लगाया शतक, भारतीय टीम ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया

होबार्ट (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने अपने करियर के अंतिम मैच में शतकीय पारी खेलकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के इस मैच में हीली ने 79 गेंदों पर शतक लगाया। वहीं वहीं 98 गेंदों पर 158 रन का बनाकर वह पेवेलियन लौटी।अपनी पारी में हिली ने 27 चौके और दो छक्के लगाये। हीली के विदायी मैच में शतक को देखकर उनके पति मिचेल स्टार्क भी बेहद खुश नजर आये। हीली के शतक पूरा करते ही स्टार्क उत्साहित नजर आये।

भारतीय टीम ने इस तीसरे मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारतीय टीम जब मैदान पर उतरी तो उन्होंने दो लाइन में खड़े होकर हीली को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। भारतीय टीम के इस रवैये की प्रशंसा हो रही है।

हीली ने जनवरी में ही सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। एकदिवसीय के बाद हीली 6 मार्च को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले दिन-रात के एकमात्र टेस्ट के दौरान अंतिम बार मैदान पर उतरेंगी। गौरतल है कि हीली ने फरवरी 2010 में 19 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था और एकदिवसीय द्व में 3500 से ज्यादा रन बनाए हैं। टी20आई में उनके नाम 25.45 की औसत से 3054 रन दर्ज है, इस दौरान उनका सबसे अधिक स्कोर 148 नाबाद है, जो सदस्य टीमों में सबसे ज्यादा निजी स्कोर है। उन्होंने साल 2010, 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में महिला टीम 20 विश्व कप और 2013 और 2022 में एकदिवसीय विश्वकप जीता था। हीली 2018 और 2019 में क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी थीं।

आईसीसी ने जनवरी के प्लेयर ऑफ द मंथ का किया ऐलान, डैरिल मिचेल और शोभना मोस्तारी को मिला सम्मान

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने जनवरी महीने के लिए पुरुष और महिला वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ का ऐलान कर दिया है। इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर डैरिल मिचेल का चयन किया गया, जबकि महिला वर्ग में बांग्लादेश की उभरती बल्लेबाज शोभना मोस्तारी को यह पुरस्कार मिला। दोनों खिलाड़ियों को महीने भर के शानदार और प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए आईसीसी ने सम्मानित किया।

डैरिल मिचेल ने भारत दौरे पर न्यूजीलैंड को वनडे सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। तीन मैचों की सीरीज में 0-1 से पीछे होने के बाद मिचेल ने लगातार दो शतकों की बदौलत मैच का रुख बदल दिया। दूसरे वनडे में उनके 131 (नाबाद) रन और तीसरे वनडे में 137 रन की पारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उनकी बल्लेबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने निर्णायक मुकाबले में 337/8 का बड़ा स्कोर खड़ा किया और सीरीज 2-1 से अपने नाम की। मिचेल ने पूरी सीरीज में कुल 352 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे। उनके शानदार फॉर्म का असर रैंकिंग पर भी दिखा और उन्होंने आईसीसी वनडे बल्लेबाजी सूची में फिर से नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया। टी20 सीरीज में भी मिचेल ने 5 मैचों में 186.56 की स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए। इस पुरस्कार की दौड़ में उन्होंने भारत के सूर्यकुमार यादव और इंग्लैंड के जो रूट को पीछे छोड़ दिया। महिला वर्ग में शोभना मोस्तारी ने आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालीफायर में धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले छह मैचों में 229 रन बनाए, जिसमें 45.80 का औसत और 145.85 की स्ट्राइक रेट शामिल रही। उनकी निरंतरता और आक्रामक अंदाज पूरे टूर्नामेंट में बांग्लादेश के लिए बड़ी ताकत साबित हुए। उनके बेहतरीन प्रदर्शन ने उन्हें आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस और तारा नॉरिस जैसे खिलाड़ियों से आगे कर दिया। मोस्तारी की बल्लेबाजी की बदौलत बांग्लादेश टीम टूर्नामेंट में अजेय रही और सीधे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर गई। आईसीसी के इस ऐलान ने दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियों को वैश्विक स्तर पर मान्यता दी है। डैरिल मिचेल और शोभना मोस्तारी का यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम घोषित, लवलीना और निकहत संभालेंगी कमान

नई दिल्ली। भारत की दो शीर्ष महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन और निकहत जरीन मंगोलिया में 28 मार्च से 11 अप्रैल तक होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में देश की 20 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने एक महीने की विस्तृत मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद टीम का चयन किया है। जनवरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद संभावित खिलाड़ियों को पटियाला स्थित राष्ट्रीय शिविर में बुलाया गया था, जहां चयन नीति के तहत उनके प्रदर्शन का आकलन किया गया। इस चैंपियनशिप के परिणामों के आधार पर राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए प्राथमिकता तय की जाएगी, इसलिए इस टूर्नामेंट का महत्व काफी बढ़ गया है। महिलाओं में मुख्य ज़िम्मेदारी लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) निभाएंगी, जिन्होंने हाल ही में स्पेन में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उनके साथ स्वर्ण विजेता प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), और प्रिया (60 किग्रा) को टीम में जगह मिली है। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मीन (57 किग्रा) भी टीम का हिस्सा होंगी। महिला टीम में अन्य महत्वपूर्ण मुक्केबाजों में शामिल हैं अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और हेवीवेट वर्ग में अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 किग्रा से अधिक)। पुरुष टीम की अगुवाई करेंगे सचिन (60 किग्रा), जिन्होंने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल और बॉक्सम चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता था।

श्रीलंकाई कप्तान शनाका ने विश्वकप से बाहर होने पर प्रशंसकों से माफी मांगी

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान दासुना शनाका ने टी20 विश्वकप से बाहर होने पर प्रशंसकों से माफी मांगी है। साथ ही कहा कि भाग्य के साथ नहीं देने के कारण वह अपनी धरती पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में असफल रहे। शनाका ने कहा कि वे पाकिस्तान के खिलाफ जीत सकते थे पर अंतिम क्षणों में विफल रहे। वह टीम के प्रदर्शन से भी निराश हैं, क्योंकि सात मैच इस टूर्नामेंट में श्रीलंका की टीम ने अपनी धरती पर खेले, जिनमें से वह केवल तीन ही जीत पायी। तीन मैच इसमें सुपर 8 के भी शामिल थे, जिसके कारण ही टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पायी। शनाका ने मैच के बाद कहा, बिल्कुल यह बहुत करीबी मैच था। मैं इसे फिनिश कर सकता था पर ऐसा नहीं हो पाया। पाक गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने अच्छी गेंदबाजी की। श्रीलंका की टीम के अभ्यान को लेकर कहा, यह हमारे लिए कठिन रहा है। हां, हमें कुछ चोटें आईं। हमने दर्शकों को निराश किया। मैं सभी प्रशंसकों से माफी मांगना चाहता हूं, क्योंकि, आप जानते हैं हम कई खिलाड़ियों के फिट नहीं होने से हारे। भविष्य में, अगर कोई चोट नहीं लगी, तो मुझे लगता है कि यह टीम बहुत अच्छा करेगी। हमें वानिंदू हसरंगा और पथिराना की कहा, उनकी कमी खली। विश्व कप के समय, आप जानते हैं, हमें अपने खिलाड़ियों की यहां जरूरत होती है और यह हमारी ताकत है। हमें उनकी शीघ्र वापसी की उम्मीद है। श्रीलंकाई क्रिकेट के लिए ये अच्छा है। वहीं आलोचकों के भड़कने पर शनाका ने कहा, कभी-कभी खिलाड़ी होने के नाते, हम भी दबाव महसूस करते हैं। ऐसे में यह मेरी गलती थी। मैं सभी प्रशंसकों को निराश करने के लिए माफी चाहता था। मैं वादा करूंगा कि मैं ऐसा दोबारा न करूं। उन्होंने पवन रथनायके के प्रदर्शन की भी प्रशंसा जिन्होंने सभी का ध्यान खींचा। कप्तान ने कहा, वह लगातार अच्छा कर रहा है और क्रीज का बहुत अच्छा इस्तेमाल कर रहा है। श्रीलंकाई क्रिकेट के लिए ये सकारात्मक संकेत है। इसके अलावा वेलालगे ने भी अच्छा खेला है। उम्मीद है, उनका भविष्य उज्ज्वल होगा।

टैलोन ग्रीक्सपूर के हटने से दानिल मेदवेदेव ने दुबई खिताब जीता

दुबई (एजेंसी)। दानिल मेदवेदेव ने शनिवार को दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में खिताब जीता, जब टैलोन ग्रीक्सपूर बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण फाइनल से पहले हट गए। ग्रीक्सपूर को शुक्रवार को आंद्रेई रुब्लेव पर अपनी सेमीफाइनल जीत के दौरान चोट लगी थी।

डचमैन ने एक सर्व के बाद अजीब तरह से लैंड किया और, हालांकि उन्होंने सीधे सेटों में जीत हासिल की, वह चैंपियनशिप मैच के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए, जिसके परिणामस्वरूप वॉकओवर हो गया। ट्रॉफी सेरेमनी के दौरान ग्रीक्सपूर ने कहा, 'मैं बेहतर हो गया हूं, यह पक्का है। बदकिस्मती से सेमीफाइनल के दौरान मुझे चोट लग गई। मैं आज सुबह हॉस्पिटल गया और कुछ स्कैन हुए, जिसमें कुछ सीरियस दिखा। इसकी वजह से मैं आज रात कोर्ट पर नहीं आ पाया और आने वाले हफ्तों में भी कोर्ट पर नहीं आ पाऊंगा।' यह टाइटल मेदवेदेव का 23वां टूर-लेवल क्राउन है और जनवरी में ब्रिस्बेन में जीतने के बाद 2026 सीजन का दूसरा क्राउन है। यह पहली बार भी है जब 30 साल के इस खिलाड़ी ने एक ही इवेंट दो बार जीता है, इससे पहले उन्होंने 2023 में दुबई में जीत हासिल की थी। एटीपी लाइव रैंकिंग में नंबर 11 पर मेदवेदेव नंबर 10 अलेक्जेंडर बुब्लिक से सिर्फ 45 पॉइंट पीछे हैं, जबकि वह पिछले साल जून के बाद पहली बार टॉप 10 में वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं। पहली बार एक ही इवेंट दो बार जीतने के बारे में पूछे जाने पर मेदवेदेव ने कहा, 'यही इसकी क्रेजी बात है। मैंने दुनिया के किसी भी शहर में ऐसा कभी नहीं किया, और पहली बार जब मैंने ऐसा किया, तो यह वॉकओवर के जरिए हुआ... हम हफ्ते की शुरुआत से पहले ही जानते थे, जिस तरह से मैं प्रैक्टिस कर रहा था, मैं एक भी बॉल मिस नहीं कर सकता था। हम जानते थे कि यह एक शानदार हफ्ता होने वाला है। यह एक शानदार हफ्ता था और मैं आने वाले अगले टूर्नामेंट्स का इंतज़ार कर रहा हूं।' हार्ड कोर्ट पर अपनी 21वीं टूर-लेवल ट्रॉफी के साथ मेदवेदेव ने एक्टिव खिलाड़ियों में नोवाक जोकोविच (72) के बाद, इस सरफेस पर दूसरे सबसे ज़्यादा जीत के मामले में वर्ल्ड नंबर 2 जैनिक सिनर की बराबरी कर ली। ग्रीक्सपूर दुबई में अपने करियर का चौथा और सबसे बड़ा एटीपी टूर टाइटल जीतने की कोशिश कर रहे थे, जहां उन्होंने इस हफ्ते टॉप 20 प्लेयर्स बुब्लिक, जैकब मेंसिक और रुब्लेव पर जीत दर्ज की। डचमैन की मेदवेदेव के साथ एकमात्र पिछली भिड़ंत पिछले साल दुबई में हुई थी, जब उन्होंने सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में यादगार चार मैच पॉइंट बचाए थे। मेदवेदेव अगली बार इंडियन वेल्स में एटीपी मास्टर्स 1000 में हिस्सा लेंगे, जहां वह दो बार के फाइनलिस्ट हैं।

सलमान अली आगा की कप्तानी पर संकट गहराया

- माइक हेसन रहे तो शादाब खान बनेंगे नए कप्तान: शाहिद अफरीदी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप में पाकिस्तान का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। सलमान अली आगा की कप्तानी में टीम बड़ी टीमों के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सकी, और कप्तान का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। लगातार आलोचनाओं के बीच पाकिस्तान की टीम प्रबंधन और कप्तानी को लेकर बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। इस बीच पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने दावा किया है कि अगर कोच माइक हेसन अपना पद बनाए रखते हैं तो शादाब खान पाकिस्तान टीम के अगले कप्तान होंगे। अफरीदी के इस बयान ने पाकिस्तान क्रिकेट में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। उन्होंने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि शादाब खान और हेसन का जुड़ाव काफी पुराना है, जो पाकिस्तान सुपर लीग की टीम इस्लामाबाद यूनाइटेड के समय से रहा है। अफरीदी के अनुसार शादाब एक बुरे विकल्प नहीं हैं, लेकिन उनकी गेंदबाजी में प्रदर्शन में सुधार जरूरी है ताकि वह टीम को और मजबूती से नेतृत्व दे सकें। टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें धागे से लटकी हुई थीं, लेकिन इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर जीत ने पाकिस्तान की थोड़ी उम्मीद जगाई है। फिर भी पाकिस्तान के लिए रास्ता आसान नहीं है। टीम को अपने अंतिम सुपर-8 मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ 64 रनों के बड़े अंतर से जीत हासिल करनी होगी, या फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए मैच 13.1 ओवर के भीतर समाप्त करना होगा। फिलहाल न्यूजीलैंड का रन रेट (+1.390) पाकिस्तान (-0.461) से काफी बेहतर है, इसलिए पाकिस्तान को बड़े अंतर वाली जीत ही सेमीफाइनल में पहुंचा सकती है। सलमान अली आगा की कप्तानी पिछले कुछ मैचों से विवादों में है। पाकिस्तान के खेल विश्लेषक और पूर्व खिलाड़ी लगातार उनके फैसलों और मैदान पर कमजोर रणनीतियों पर सवाल उठा रहे हैं। क्रिकेट फैंस भी सोशल मीडिया पर कप्तान और टीम दोनों पर नाराजगी जता रहे हैं। अगर टीम श्रीलंका के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती तो सलमान अली अगा की कप्तानी लगभग समाप्त मानी जा रही है। पाकिस्तान के लिए अब सबकुछ उनके अंतिम मुकाबले पर निर्भर करता है। यदि बड़ी जीत मिलती है तो सेमीफाइनल का टिकट संभव है, लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो टीम और कप्तान दोनों को विश्व कप के बाद बड़े बदलावों का सामना करना पड़ सकता है।

आकिब नबी बने टीम इंडिया की नई उम्मीद, रणजी सीजन में रचा बड़ा इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट को जल्द ही एक धाकड़ तेज गेंदबाज मिलने जा रहा है। 29 वर्षीय पेसर आकिब नबी रेड बॉल क्रिकेट में लगातार कमाल करते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट की दहलीज पर दस्तक दे रहे हैं। मौजूदा रणजी ट्रॉफी सीजन में उनकी घातक गेंदबाजी ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया है। जम्मू-कश्मीर के इस तेज गेंदबाज ने पूरे सीजन बल्लेबाजों को जमकर परेशान किया और फाइनल मुकाबले में भी अपना दम साबित किया। कर्नाटक के खिलाफ केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे खिताबी मुकाबले की पहली पारी में नबी ने शानदार 5 विकेट चटकाए। उनकी दमदार गेंदबाजी की बदौलत कर्नाटक की पारी 293 रन पर सिमट गई और जम्मू-कश्मीर ने 291 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर इतिहास रचने की ओर कदम बढ़ा दिए।

हॉकी इंडिया ने महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए टीम घोषित की, सविता निजी कारणों से हटीं

हैदराबाद (एजेंसी)। अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया ने निजी कारणों से महिला विश्व कप क्वालीफायर से नाम वापस ले लिया है जबकि हॉकी इंडिया ने रविवार को मिडफील्डर सलीमा टेटे की कप्तानी में 20 सदस्यीय टीम घोषित की। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होना है।

मेजबान भारत, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के तीन क्वालीफिकेशन स्थानों के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। टीम को दो पूल में बांटा गया है जिसमें इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया पूल ए में हैं जबकि मेजबान भारत, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स को पूल बी में रखा गया है।

सूत्रों के मुताबिक सविता ने पारिवारिक कारणों से ब्रेक लिया है। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'सविता टूर्नामेंट से पहले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा नहीं थीं क्योंकि उन्होंने पारिवारिक वजहों से नाम वापस ले लिया था। इसलिए उनके नाम पर विचार करने का कोई कारण नहीं था।'

अनुभवी सलीमा टीम की अगुआई करती रहेंगी। बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम गोलकीपिंग की जिम्मेदारी साझा करेंगी। सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता और इशिका चौधरी रक्षा पंक्ति में शामिल हैं जबकि कैप्टन सलीमा, नेहा, सुनीता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुतजा ददासो पिसल और दीपिका सोरेंग मिडफील्ड की जिम्मेदारी संभालेंगी।

अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू को जगह मिली है। मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'हम एक साथ अपने पहले टूर्नामेंट को लेकर उत्सुक हैं। हम फिटनेस और रणनीति पर काम कर रहे हैं जिससे कि टीम में हर कोई अपने काम और भूमिका को समझ सके। हम आगे के मुकाबलों के लिए पूरी तरह से तैयार होने के लिए हैदराबाद में दो अभ्यास मैच खेलेंगे।' भारत अपने अभियान की शुरुआत आठ मार्च को उरुग्वे के खिलाफ करेगा। टीम इसके बाद नौ मार्च और 11 मार्च को क्रमशः स्कॉटलैंड और वेल्स के खिलाफ खेलेगी।

टीम

गोलकीपर : बंसरी सोलंकी, बीचू देवी खारीबम

डिफेंडर : सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता, इशिका चौधरी

मिडफील्डर : नेहा, सलीमा टेटे, सुनीता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुतजा ददासो पिसल, दीपिका सोरेंग

फारवर्ड : नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू

जयसूर्या का इस्तीफा, बोर्ड ने नये कोच की तलाश शुरु की

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच . सनथ जयसूर्या ने पाकिस्तान के खिलाफ मिली हार के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। श्रीलंकाई टीम लीग स्तर में अपने अच्छे प्रदर्शन के बाद भी सुपर-8 के सभी मैच हार गयी है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने अब नये कोच की तलाश भी शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि जयसूर्या जुलाई 2024 में टीम के अंतरिम मुख्य कोच बने थे। इसके बाद अक्टूबर में उन्हें पूर्णकालिक कोच बनाद दिया गया था। उनका करार इसी साल जून 2026 तक था पर टीम के लचर प्रदर्शन को देखते हुए उन्होंने तत्काल पद छोड़ना ही सही समझा है। सुपर-8 में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से लगातार मिली हार के बाद श्रीलंकाई टीम बाहर हुई है। इससे टीम साल 2014 के बाद से ही पांचवीं बार टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई है। पाक के खिलाफ अंतिम मैच में दासुन शनाका के 31 गेंदों में नाबाद 76 रन की आक्रामक पारी से टीम जीत के करीब पहुंच गयी थी। वह 213 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए के पांच रन ही पीछे रह गयी। जयसूर्या के कोच रहते श्रीलंका ने सभी प्रारुपो को मिलाकर कुल 76 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए 34 जीते और कुल जीत प्रतिशत करीब 45 रहा। बोर्ड के एक अधिकारी के अनुसार उसने कोच पद के लिए कई उम्मीदवारों से बात की है।

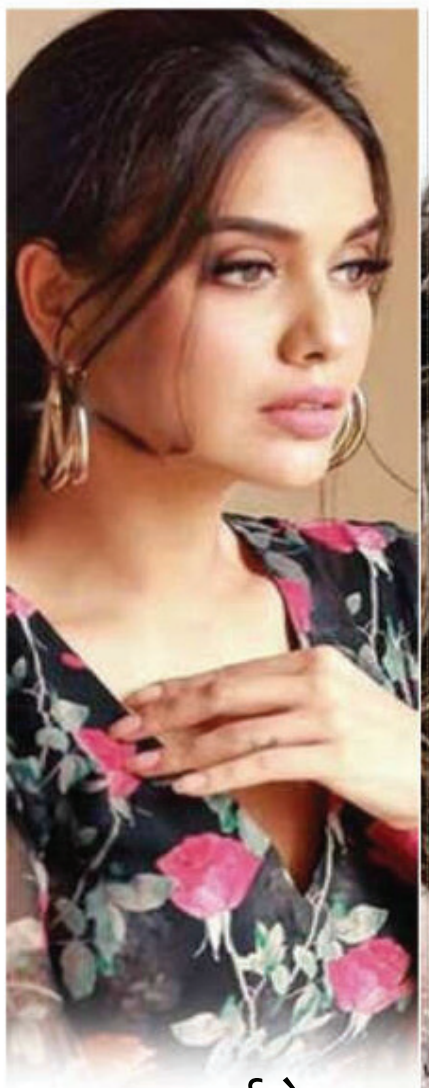

क्या द वार्डरोब में दिव्या अग्रवाल निभा रही हैं भूत का किरदार?

राज गवली प्रोडक्शन ने अपनी आगामी सुपरनैचुरल थ्रिलर द वार्डरोब का दिलचस्प फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी कर दिया है, और फैंस अब यह सवाल पूछ रहे हैं — क्या दिव्या अग्रवाल इस फिल्म में भूत का किरदार निभा रही हैं? सौरभ चौबे के निर्देशन में बनी इस हॉरर थ्रिलर में द वार्डरोब भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में एक रहस्यमयी महिला को पुराने, आधे खुले लकड़ी के वार्डरोब से बाहर निकलते हुए दिखाया गया है, जिस पर लताएं लिपटी हुई हैं। खून से सने सफेद गाउन में और धुएं व अंधेरे से घिरे माहौल के बीच दिव्या का डरावना अंदाज उनके किरदार को लेकर कई सवाल खड़े करता है। वार्डरोब के भीतर से आती लाल रोशनी फिल्म के सुपरनैचुरल टोन को और गहरा करती है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। हालांकि मेकर्स ने कहानी के अहम पहलुओं को अभी गोपनीय रखा है, लेकिन पोस्टर ने इस बात की अटकलों को हवा दे दी है कि दिव्या किसी बेचैन आत्मा की भूमिका में हो सकती हैं।

खतरनाक स्टंट नहीं करने की चॉइस सिर्फ मेरी नहीं थी

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड की देसी गर्ल से हॉलीवुड की एक्शन गर्ल बनने तक का सफर बखूबी तय किया है। जल्द ही वह एक हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' में लीड रोल में दिखेंगी। इस फिल्म को लेकर प्रियंका काफी एक्साइटेड हैं। लेकिन फिल्म में कई एक्शन सीन्स प्रियंका ने खुद नहीं किए। इसकी वजह भी वह साझा करती हैं।

खतरनाक शॉट्स से प्रियंका ने बनाई दूरी

हाल ही में वैरायटी से की गई बातचीत में प्रियंका चोपड़ा ने कहा, 'कुछ शॉट्स ऐसे थे जिनके लिए मुझे अपने स्टंट डबल पर डिपेंड रहना पड़ा। स्टंट डबल को तीन या चार खतरनाक शॉट्स करने पड़े। इसमें चेहरे पर कांच लगने वाले सीन्स भी शामिल थे।' प्रियंका चोपड़ा आगे कहती हैं, 'यह चॉइस सिर्फ मेरी नहीं थी। प्रोडक्शन टीम को भी चिंता थी। उन्होंने मुझे खतरनाक स्टंट करने नहीं दिए। देखिए, मैं हीरो नहीं हूं, मैं काम करने के लिए काम पर जाती हूं। मैं नहीं चाहती कि किसी को चोट लगे या मुझे खुद को भी चोट लगे।'

फिल्म 'द ब्लफ' में क्या है प्रियंका चोपड़ा का किरदार?

प्रियंका चोपड़ा और कार्ल अर्बन स्टारर 'द ब्लफ' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। फ्रैंक ई फ्लावर्स के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म एक कैरिबियन महिला की कहानी है, जिसका

सीक्रेट पास्ट तब सामने आता है जब समुद्री लुटेरे उसके आइलैंड पर हमला करते हैं। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा ने गजब का एक्शन भी किया है।

इन प्रोजेक्ट्स में भी आएंगी देसी गर्ल नजर

प्रियंका चोपड़ा के करियर फ्रंट की बात करें तो वह हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' और राजामौली की पैन इंडिया फिल्म 'वाराणसी' का हिस्सा हैं। 'वाराणसी' फिल्म में प्रियंका चोपड़ा साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म बड़े स्तर पर बन रही है। इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका चोपड़ा लगातार भारत आ रही हैं। अब उनका नाम फिल्म '007 बॉन्ड' सीरीज को लेकर भी सामने आ रहा है।

यश की 'टॉक्सिक' में नए अक्षय ओबेरॉय की एंट्री

यश की अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' सुर्खियों में है। फिल्म के मेकर्स हर दिन इसकी अपडेट दे हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर जारी हुआ है जिसे दर्शकों ने पसंद किया है। अब मेकर्स ने फिल्म के एक और कलाकार का लुक जारी किया है। मेकर्स ने फिल्म से अक्षय ओबेरॉय का लुक जारी किया है। केवीएन प्रोडक्शन ने अपने इंस्टाग्राम पर अक्षय ओबेरॉय का लुक जारी किया है। इसमें वह टोनी के रूप में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में टोनी भूरे रंग के ड्रेस में हैं। वह खून से लथपथ हैं। पोस्टर में देखा जा सकता है कि उनके आस-पास कई घायल लोग पड़े हुए हैं। इन लोगों के हाथ-पैर रस्सी से बंधे हैं। फिल्म में यश, राया और टिकट के डबल रोल में नजर आएंगे। हाल ही में रिलीज हुए टीजर में राया पर ज्यादा फोकस किया गया है। इसमें उन्हें एक खतरनाक गैंगस्टर के तौर पर दिखाया गया। टीजर में भरपूर एक्शन है। मेकर्स ने फिल्म से कई कलाकारों के लुक शेयर किए हैं। इसमें नादिया के रोल में कियारा आडवाणी, गंगा के रोल में नयनतारा, एलिजाबेथ के रोल में हुमा कुरैशी, रेबेका के रोल में तारा सुतारिया, टोविनो थॉमस, डेरेल डी'सिल्वा और मेलिसा के रोल में रुक्मिणी वसंत होंगी। फिल्म 'टॉक्सिक' को यश और डायरेक्टर गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखा है। यह फिल्म 1940 और 1970 के दशक के बीच गोवा में सेट है। कन्नड़ और इंग्लिश में एक साथ शूट की गई यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगू और मलयालम जैसी भाषाओं में रिलीज होगी। टॉक्सिक 19 मार्च, 2026 को रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' के साथ बॉक्स ऑफिस पर क्लैश करने वाली है। दोनों ही बड़ी फिल्में हैं। देखना होगा कि कौन सी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टिक पाती है।

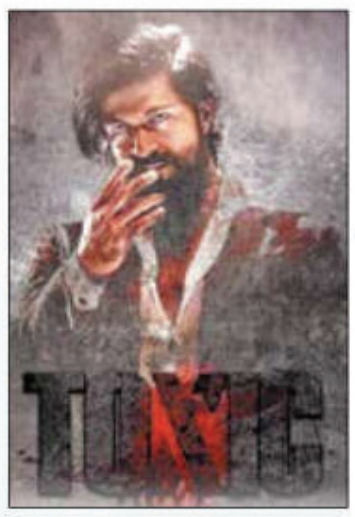

साउथ फिल्मों की अजीब डिमांड से परेशान हो रहीं है तापसी

तापसी पन्नू ने बॉलीवुड के अलावा तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्मों में भी अभिनय किया है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने साउथ मेकर्स की अजीब डिमांड का जिक्र किया। तापसी का मानना है कि इस वजह से कई बार सेट पर असहज स्थिति भी बन जाती थी। आखिर क्या थी वो डिमांड?

साउथ की फिल्मों को करते हुए कौन सी दिक्कत आती है?

तापसी पन्नू ने बताया कि साउथ की फिल्मों में एक्ट्रेस के अपीयरेंस पर बहुत ज्यादा फोकस किया जाता है। वह कहती हैं, 'साउथ फिल्मों में आकर्षक दिखने के लिए खास तरह के कपड़े पहनने के लिए बोला जाता है। लेकिन इसमें समस्या यह है कि सेट पर हीरोइन को यह बात बताने के लिए लड़कियां गिनती की होती हैं। ऐसे में डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर को बोलता है। फिर वह हेयर या स्टाइल टीम की किसी दीदी को बताते हैं। आप सोचो कितना शर्मनाक होगा कि सेट पर एक गाने के शूट में एक्ट्रेस का बीच में उठकर जाना है। सब देख रहे होते हैं कि क्या फर्क हुआ? फिर पता चलता है कि हमें फर्क पता नहीं चल रहा। ऐसे में एक्ट्रेसेस को वापस जाने को कहा जाता है।' तापसी का मानना है कि साउथ में एक्ट्रेस की फिजिकल अपीयरेंस पर फोकस किया जाता है। मेकर्स को लगता है कि इससे ऑडियंस की फैंटेसी पूरी होती है और फिल्म को लेकर अट्रैक्शन बढ़ता है।

फिल्म 'अस्सी' को लेकर चर्चा में तापसी पन्नू

फिल्म 'अस्सी' में कनी कुश्रुति, जीशान अय्यूब, तापसी पन्नू, कुमुद मिश्रा और रेवती जैसे कलाकार नजर आए हैं। तापसी फिल्म में रेप पीड़िता की वकील बनी हैं। वहीं रेप पीड़िता के रोल में कनी कुश्रुति दिखीं। दोनों ने ही दमदार अभिनय किया है। फिल्म 'अस्सी' की कहानी रेप पीड़िता के संघर्ष को दिखाती है, कानूनी प्रक्रिया में रेप केस के फैसलों में क्यों देरी होती है? परिवार और उस महिला पर क्या गुजरती है, इन बातों को निर्देशक ने बहुत ही संवेदनशील तरीके से दिखाया है। साथ ही इस जघन्य अपराध के पीछे की मानसिकता को भी सामने रखा है। बॉक्स ऑफिस पर भी यह फिल्म ठीक-ठाक कलेक्शन कर रही है।

राहुल भट्ट ने साझा किया 'कैनेडी' का शूटिंग अनुभव

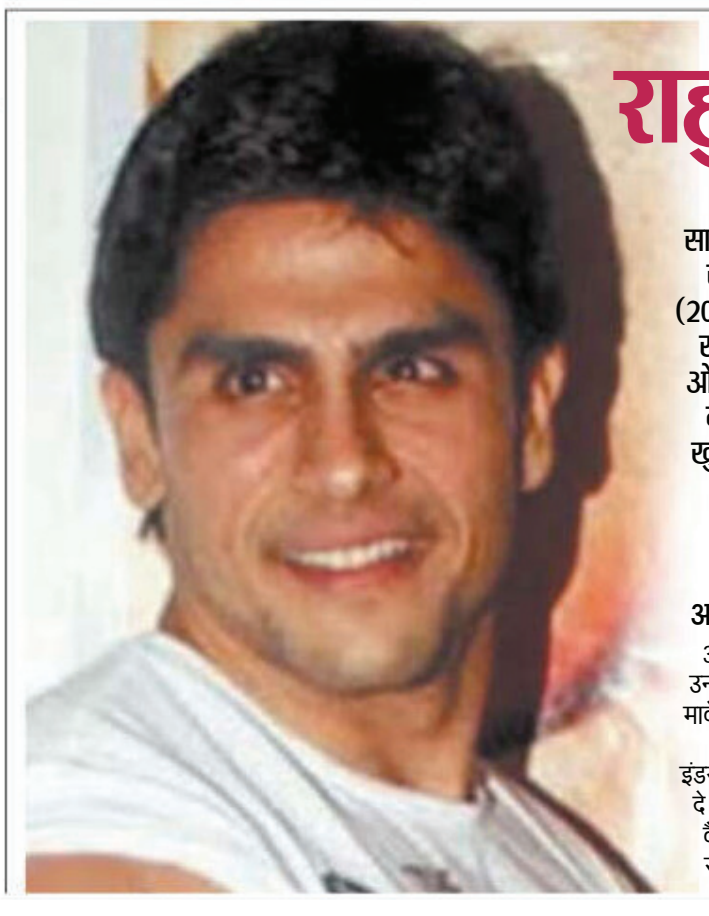

राहुल भट्ट और अनुराग कश्यप कई साल से एक-दूसरे को जानते हैं। दोनों ने साथ में 'अग्ली' (2013) और 'दोबारा' (2022) जैसी फिल्में की हैं। अब दोनों की साथ में तीसरी फिल्म 'कैनेडी' जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। बातचीत में राहुल ने अनुराग कश्यप के बारे में खुलकर बात की और उनके साथ अपने काम के अनुभव साझा किए। साथ ही फिल्म के बारे में भी जानकारी दी।

इतने साल में अनुराग में क्या बदलाव आया? क्या उन पर इंडस्ट्री का दबाव है?

अनुराग को जो करना होता है वो वही करते हैं। उनके ऊपर इंडस्ट्री का कोई दबाव नहीं होता। वो मार्केट के लिए फिल्में बनाते ही नहीं। वो वह काम करते हैं, जिससे उन्हें तसल्ली मिलती है। वो इंडस्ट्री के बड़े ज्ञानी हैं। हम उनको कुछ ज्ञान नहीं दे सकते। उन्हें अच्छे से बिजनेस पता है। फिल्म कैसे बिकेंगी, किधर जाएंगी। उनकी फिल्मों की सेल्फ लाइफ लंबी होती है। उन्होंने कितना कुछ हासिल किया और कितने ही टैलेंट को आगे बढ़ाया है।

क्या आपको लगता है इंडस्ट्री ने उन्हें वो दिया जिसके वो हकदार हैं?

ये सिर्फ आप और हम सोचते हैं। वो ये सब नहीं सोचते कि इंडस्ट्री ने उन्हें क्या दिया और क्या नहीं? बाकी वो बड़े आदमी हैं। उनकी शिकायतें होंगी तो पता नहीं क्यों होंगी। मैं तो इस बारे में कुछ नहीं कह सकता। उनको जितना जानता हूं बस इतना कह सकता हूं कि उनको बहुत कुछ मिला है, बहुत कुछ उन्होंने पाया है अपनी जिंदगी में। बाकी उनका टैलेंट इतना है कि उनको बहुत कुछ और मिलना चाहिए और वो मिलेगा भी। उन्हें कोई नहीं रोक सकता।

'कैनेडी' का शूटिंग अनुभव कैसा रहा? अपने किरदार के बारे में कुछ बताएं?

अनुराग की फिल्में मेरे ऊपर सेट से दूर होने और शूटिंग पूरी होने के बाद भी असर बनाए रखती हैं। 'कैनेडी' की शूटिंग के दौरान अपने किरदार के अंदर की आवाज, चाल और जो एटिट्यूड मैंने अपनाया.. वह लंबे समय तक मुझसे बना रहा। इस फिल्म में अपने किरदार को मैंने एक खास आवाज दी। वो आवाज शूटिंग के बाद भी मेरे अंदर से आती रही। लोग कहते थे – 'क्या कर रहा है तू? सीधे बात कर।' गाड़ी चलाते वक्त भी मेरा एट्टीट्यूड वैसा ही रहता था। मानो जैसे कोई खतरनाक आदमी गाड़ी चला रहा हो। फिल्म खत्म होने के बाद भी करीबन तीन महीने तक यह किरदार मेरे साथ रहा।

इंडस्ट्री में बदलावों पर आपकी क्या राय है?

पहले एक ही तरीके की फिल्में बन रही थीं, अब सिनेमा थोड़ा खुल गया है। ओटीटी प्लेटफार्म ने एक नया पिटारा खोला है। लोगों को एक्सपोजर मिल गया है और काफी मजेदार फिल्में बन रही हैं। मुझे लगता है मेरे जैसे अभिनेताओं के लिए यह बहुत अच्छा वक्त है।

मोदी जी हैं तो हम सुरक्षित हैं, दुबई जाने वालों पर बीजेपी सांसद का विवादित तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत के बाद भी इजरायल और ईरान के बीच जंग थमती नहीं दिख रही है। सऊदी अरब से लेकर यूएई और कुवैत से लेकर बहरीन तक ईरान अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है। ऐसे में बीजेपी के सांसद निशिकांत दुबे ने भारतीय पासपोर्ट छोड़कर मिडिल ईस्ट में बसने वाले भारतीयों पर तंज कसा है और मोदी सरकार की तारीफ की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निशिकांत दुबे ने कहा है कि अपना भारतीय पासपोर्ट छोड़कर दुबई जाने वाले लोगों के लिए सबक, मोदी जी हैं तो हम सुरक्षित हैं। लम्बे लम्बे सोशल मीडिया पर पोस्ट करना आसान है। दुबे का यह कमेंट ऐसे समय आया है, जब ईरान लगातार दुबई को भी अपनी मिसाइलों के जरिए निशाना बना रहा है। बता दें पिछले कुछ सालों में ऐसे कई मामले सामने आए जब भारतीय नागरिकों ने भारत की नागरिकता छोड़कर अमेरिका, ब्रिटेन या दुबई की नागरिकता हासिल कर ली है। बता दें दुबई अपना अंतरराष्ट्रीय लेवल और ऊंचा करने के लिए दुनियाभर से अमीर और फेमस लोगों को दुबई आकर बस जाने के लिए आमंत्रित करता है। ऐसे लोगों को दुबई अपने यहां की नागरिकता भी देता है। आकर्षक ऑफर्स को देखते अलग-अलग देशों से बड़ी तादाद में लोग अपनी नागरिकता छोड़कर दुबई की नागरिकता ले लेते हैं।

अखिलेश यादव ने आई-पैक के साथ डील की फाइनल

-बंगाल चुनाव के बाद यूपी में ग्राउंड पर उतरेगी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एक साल बाकी है। समाजवादी पार्टी ने चुनावी तैयारियों की शुरुआत कर दी है। लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में बढ़त के बाद सपा उत्साहित है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपने कैंपेन को संभालने के लिए पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक को हायर किया है। दोनों कैंप के सूत्रों ने कन्फर्म किया कि यह डील इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में फाइनल हुई थी। आई-पैक को जन सुराज लीडर प्रशांत किशोर ने को-फाउंड किया था। आई-पैक पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आने वाले चुनावों के बाद सपा के लिए काम शुरू करेगी।

बंगाल के बाद शुरू होगा काम

आई-पैक के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि हमारा ज्यादातर वर्कफोर्स अभी पश्चिम बंगाल में असेंबली इलेक्शन के लिए इकट्ठा है। हालांकि शुरुआती मीटिंग्स हो चुकी हैं, लेकिन ज्यादातर काम उत्तर प्रदेश में बंगाल इलेक्शन के बाद ही शुरू होगा। हमारे एक डायरेक्टर विनेश चंदेल वहां टीम को हेड करेंगे।

आईईडी ब्लास्ट में असिस्टेंट कमांडेंट घायल

चाईबासा (एजेंसी)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी विस्फोट में कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट अजय मल्लिक घायल हो गए। घटना सारंडा के मरांगपोंगा इलाके में हुई, जहां सुरक्षा बलों की टीम जंगलों में सघन तलाशी अभियान चला रही थी। अभियान के दौरान पहले से बिछाए गए विस्फोटक में अचानक धमाका हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास मौजूद जवान भी सतर्क हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नक्सलियों ने सुरक्षाबलों की मूवमेंट को देखते हुए पहले से ही आईईडी प्लांट कर रखा था। धमाके में सहायक कमांडेंट मल्लिक को चोटें आईं, हालांकि उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। विस्फोट के तुरंत बाद मौके पर मौजूद जवानों ने घायल अधिकारी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जंगल के बीच चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से चलाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची ले जाने की तैयारी की गई।

टांडा के जंगल में हाथी से टकराई बाइक, दो भाईयों की मौत

हल्द्वानी (एजेंसी)। टांडा जंगल में हाथी से दोपहिया वाहन टकरा गया। इससे दोपहिया वाहन सवार सड़क पर गिर गए, जिसमें एक मौत हो गई। जबकि दूसरे को अस्पताल ले जाया जा रहा था लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से शाहजहांपुर कटरा और वर्तमान में बनभूलपुरा के गफूर बस्ती निवासी शकील (26) और जाफर (28) शनिवार की शाम हल्द्वानी से रुद्रपुर की ओर जा रहे थे। इस दौरान टांडा रोड स्थित हाथी कारिडोर में उनके वाहन के सामने अचानक हाथी आ गया, जिससे उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और वाहन चल रहे शकील के सिर में चोट लग गई। साथ ही पीछे बैठे जाफर भी सड़क हादसे में घायल हो गया। सड़क हादसे के बाद रास्ते से गुजर रहे लोगों ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल भेजा। जहां शकील को मृत घोषित कर दिया, जबकि जाफर को हायर सेंटर भेजा, जिसपर बरेली ले जाते वक्त रास्ते में जाफर ने भी दम तोड़ दिया। लोगों ने बताया की दोनों रिश्ते के भाई थे। जो हल्द्वानी में रहकर आर्टिफिशियल ज्वेलरी व कपड़ों की फेरी करते थे घटना के बाद परिवार में मातम छा गया।

जम्मू-कश्मीर में भूकंप के झटके, डोडा ज़िले में 4.2 तीव्रता से कांपी धरती

जम्मू (एजेंसी)। रविवार तड़के सुबह जम्मू-कश्मीर का डोडा ज़िला भूकंप के झटकों से दहल गया। रिक्टर स्केल पर 4.2 मैग्नीट्यूड की तीव्रता वाले इस भूकंप ने पहाड़ी इलाके के निवासियों में दहशत पैदा कर दी, हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। जैसे ही सुबह हुई, परेशान लोकल लोग हालात का अंदाज़ा लगाने के लिए अपने घरों से बाहर निकले, उन्हें हिमालय की ठंडी हवा के बीच अपने पहाड़ी गांवों को सही-सलामत पाकर राहत मिली।

यूजीसी के खिलाफ महुवा में फूटा 'सवर्ण आक्रोश': काले कानून के विरोध में दौसा कूच

बसों और निजी वाहनों के काफिले के साथ उमड़ा जनसैलाब।

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा/दौसा।

मनोज खंडेलवाल। यूजीसी के नए नियमों को लेकर सवर्ण समाज के सीने में सुलग रही गुस्से की चिंगारी रविवार को महवा की सड़कों पर महा-आक्रोश के रूप में धधक उठी। उपखंड मुख्यालय के बौहरा धर्मशाला और हिंडौन रोड स्थित जलदाय विभाग कार्यालय से सवर्ण समाज का जो सैलाब निकला, उसने व्यवस्थाओं को हिलाकर रख दिया। मौका था दौसा के शेषनाथ महादेव मंदिर में आयोजित 'यूजीसी महा-आक्रोश रैली' का, जिसमें सम्मिलित होने के लिए महवा से हजारों की तादाद में ब्राह्मण, अग्रवाल, खंडेलवाल, जैन और राजपूत समाज के लोग अपनी निजी गाड़ियों और बसों के लंबे काफिले के साथ नारेबाजी करते हुए रवाना हुए। समाज के प्रबुद्धजनों ने इस काले कानून को भावी पीढ़ी के भविष्य पर सीधा प्रहार बताते हुए दो टूक कहा कि जब तक यह नियम वापस नहीं होता, सवर्ण समाज चुप नहीं बैठेगा। घर-घर संपर्क के बाद हुए इस व्यापक लामबंदी का असर यह रहा कि महवा के हर घर से एक व्यक्ति इस हुंकार में शामिल होने के लिए दौसा की ओर बढ़ा, जिससे सड़कों पर केवल सवर्ण एकता के ही झंडे नजर आए। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष विजयशंकर बौहरा ने आंदोलन की कमान संभालते हुए बताया कि समाज के युवाओं के हक की इस लड़ाई में महुवा कस्बे से 50 निजी वाहन और 4 बड़ी बसें एक साथ रवाना हुईं, जिन्होंने जलदाय विभाग कार्यालय के पास इकट्ठा होकर एकजुटता का परिचय दिया। वक्ताओं ने मंच से आगाह किया कि यूजीसी का यह बिल सवर्ण समाज के बच्चों के शैक्षणिक और पेशेवर करियर के लिए घातक सिद्ध होगा, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान अग्रवाल समाज अध्यक्ष सतीश अग्रवाल, ब्राह्मण समाज अध्यक्ष ताराचंद शर्मा, वैद्य दशरथ सिंह, विष्णु सिंह राजपूत सहित अशोक जैन और मनोज खंडेलवाल जैसे दिग्गजों ने हुंकार भरी। रैली में एडवोकेट ताराचंद अग्रवाल, धर्म सिंह, भुवनेश और हरिओम शर्मा सहित महवा तहसील के कोने-कोने से आए हजारों सवर्ण महिला-पुरुषों ने शिरकत की। पार्षद नरेंद्र शर्मा, अरविंद पावटा, जीपी शर्मा और राधाकृष्ण भारद्वाज सहित सवर्ण समाज के तमाम संगठनों के पदाधिकारियों की मौजूदगी ने इस आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर की धार दे दी है, जो अब सीधे तौर पर यूजीसी के अस्तित्व और उसके निर्णयों को चुनौती दे रहा है।

एलओसी पार से पुंछ में घुसा पाकिस्तानी ड्रोन, भारतीय सेना ने फायरिंग कर खदेड़ दिया

जम्मू (एजेंसी)। एक बार फिर पाकिस्तान की ओर से नापाक हरकत की गई, जबकि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास पाकिस्तानी ड्रोन भेजा गया। रविवार तड़के डिगवार इलाके में तैनात भारतीय सेना के जवानों ने उक्त संदिग्ध ड्रोन को देखते ही तुरंत जवाबी फायरिंग की। जानकारी अनुसार पाकिस्तानी ड्रोन रविवार सुबह करीब 6 बजकर 10 मिनट पर भारतीय क्षेत्र में दाखिल होता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद सेना ने दर्जनभर से अधिक राउंड फायर करके वापस लौटने पर मजबूर कर दिया। इस संबंध में सैन्य अधिकारियों ने मीडिया को बताया, कि भारतीय सीमा पर घुसा ड्रोन सेना की गोलीबारी से बच निकला। आसमान में मंडराने के बाद ड्रोन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) की ओर वापस चला गया। यह दूसरी बार हुआ जबकि तीन दिनों के भीतर सीमा पार से ड्रोन गतिविधि देखी गई है, जिसके चलते भारतीय सेना को कड़े कदम उठाने पड़े हैं। यहां बताते चलें कि 27 फरवरी को भी इसी क्षेत्र में पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ हुई थी, जिस पर सेना ने कार्रवाई की थी। ऐसे में मौजूदा घटनाक्रम सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील माना जा रहा है क्योंकि ड्रोन का इस्तेमाल अक्सर हथियार या नशीले पदार्थ गिराने या फिर जासूसी करने के लिए किया जाता है। ड्रोन वाली घटना के बाद भारतीय सुरक्षा बलों ने संपूर्ण इलाके में सर्च अभियान शुरू कर दिया है। सर्च ऑपरेशन से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि उक्त ड्रोन ने कोई हथियार या प्रतिबंधित सामग्री तो भारतीय सीमा पर नहीं छोड़ी है। इसी के साथ ही पूरे पुंछ सेक्टर में चौकसी बढ़ा दी गई है और सीमा पर भी निगरानी कड़ी कर दी गई है। इस घटना को गंभीर इसलिए भी माना जा रहा है, क्योंकि एक तरफतो पाकिस्तान अफगानिस्तान पर हमले कर रहा और जंग के हालात पैदा किए हुए हैं, वहीं दूसरी ओर भारत में ड्रोन भेजकर एक नया मोर्चा खोलने का इरादा जता रहा है।

यूएस-इजराइल हमले में मिडिल ईस्ट में फंसे भारतीय को बचाए सरकार

-कांग्रेस ने की सरकार से इस युद्ध को खत्म करने में मदद की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की है। कांग्रेस ने भारत सरकार से इस युद्ध को तुरंत खत्म करने और पश्चिम एशिया में सभी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद की अपील की है। बता दें इस भयानक युद्ध के बीच कई भारतीय मिडिल ईस्ट में फंसे हुए हैं। हालांकि भारत सरकार की ओर से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हफ्तों तक राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के साथ डिप्लोमेसी और बातचीत का दिखावा करते रहे हैं। इजराइली पीएम नेतन्याहू और अमेरिका में कट्टरपंथियों के उकसाने पर उन्होंने शासन बदलने के मकसद से एक सैन्य हमला शुरू किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस हमले की निंदा करती है और सरकार से इस वॉर को खत्म करने में मदद करने की अपील करती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मिडिल ईस्ट संकट पर कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ती दुश्मनी चिंताजनक है। पूरे मिडिल ईस्ट में हर भारतीय नागरिक की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस बीच कांग्रेस ने पीएम मोदी के इजराइल दौरे को शर्मनाक और गलत समय पर बताया और कहा कि इससे मिलिट्री बढ़ोतरी को राजनीतिक समर्थन मिलने का एहसास होता है। रमेश ने कहा कि मोदी के इजराइल दौरे का जश्न मनाने के दो दिन बाद, इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर मिलकर हमला शुरू कर दिया।

बैजूपाड़ा में विकास की 'त्रिवेणी': किरोड़ी-मुरारी और राजेंद्र ने खोली सौगातों की पोटली

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और एईएन कार्यालय का हुआ लोकार्पण, भामाशाह केदार मीणा ने भी बढ़ाए मदद के हाथ।

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा/बैजूपाड़ा।

महवा विधानसभा क्षेत्र के बैजूपाड़ा में रविवार का सूरज विकास की नई किरण लेकर उदित हुआ, जहाँ सियासत के दिग्गजों ने एकजुट होकर क्षेत्र की झोली खुशियों से भर दी। विकास की इस गौरवमयी गाथा में प्रदेश के कद्दावर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा और क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीणा ने एक ही मंच पर शिरकत कर जनहितकारी सौगातों का अंबार लगा दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) और विद्युत विभाग के सहायक अभियंता (AEN) कार्यालय के विधिवत लोकार्पण के साथ हुई, जिसके बाद विशाल कन्हैया दंगल की गूंज ने समूचे वातावरण को सांस्कृतिक रस में डुबो दिया। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने गरजते हुए कहा कि अब बैजूपाड़ा के बाशिंदों को इलाज के लिए शहरों की ओर नहीं ताकना पड़ेगा, क्योंकि इस स्वास्थ्य केंद्र के शुरू होने से अब घर-आंगन में ही त्वरित और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी जो आपातकालीन स्थिति में जीवनदायिनी साबित होंगी। उन्होंने बिजली कार्यालय की महत्ता बताते हुए कहा कि अब किसानों और ग्रामीणों की विद्युत संबंधी शिकायतों का निपटारा समयबद्ध तरीके से होगा जिससे क्षेत्र की तरक्की को नई उड़ान मिलेगी। विकास की इस कड़ी में दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा ने हुंकार भरते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के रथ को रुकने नहीं दिया जाएगा और बैजूपाड़ा के सर्वांगीण उत्थान के लिए धन की कोई कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने इन परियोजनाओं को मील का पत्थर करार देते हुए ग्रामीणों को उज्ज्वल भविष्य का भरोसा दिलाया। वहीं कर्मठ विधायक राजेंद्र मीणा ने अपनी उपलब्धियां गिनाते हुए बताया कि बैजूपाड़ा स्वास्थ्य केंद्र में इंटरलॉकिंग रास्तों और परिसर के सौंदर्यीकरण का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है, जो आमजन को समर्पित है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि जनता का अटूट स्नेह ही विकास की सबसे बड़ी शक्ति है। क्षेत्र के विख्यात भामाशाह केदार मीणा ने भी इस विकास यज्ञ में अपनी आहुति देते हुए चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार को आमजन के लिए सुखद बताया। विशाल कन्हैया दंगल के दौरान उठी स्वर लहरियों ने सामाजिक एकता को सुदृढ़ किया, जहाँ भारी जनसमूह की मौजूदगी ने यह स्पष्ट कर दिया कि महवा अब स्वास्थ्य, सुविधा और सुशासन के नए आयाम छूने को तैयार है। मंच से उपस्थित जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने एक सुर में संकल्प लिया कि सामूहिक प्रयासों से महवा को आदर्श विधानसभा बनाया जाएगा।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने ताजा घटनाओं पर जताई चिंता, दोनों पक्ष संयम बरतें

भारत ने जारी की एडवाइजरी भारतीय सतर्क रहें और मिशनों के संपर्क में रहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने मिडिल ईस्ट में हालात पर चिंता जताते हुए कहा है कि सभी देशों की संप्रभुता और अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि ताजा घटनाओं से बहुत चिंतित हैं। हम दोनों पक्षों को संयम बरतने, नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की गुजारिश करते हैं। सभी पक्षों को डायलॉग और डिप्लोमेसी का रास्ता अख्तियार करना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बयान में कहा गया है कि इस क्षेत्र में हमारे मिशन सभी भारतीय नागरिकों के साथ हैं और एडवाइजरी जारी कर कहा गया है कि वे सतर्क रहें, मिशनों के संपर्क में रहें और स्थानीय सुरक्षा गाइडलाइंस का पालन करें। पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए भारत ने ना केवल ईरान और इजराइल बल्कि दूसरे देशों के लिए भी सलाह जारी की है। बता दें ईरान को लेकर भारत सरकार पहले से ही तीन एडवाइजरी जारी कर चुकी है। इजराइल में कुल दस हजार भारतीय रहते हैं जिनमें से चार हजार छात्र हैं।

भारतीय दूतावास ने कतर में रहने वाले सभी भारतीयों से उचित सावधानी बरतने के लिए कहा है। सैन्य स्थानों से दूर रहने और घरों के अंदर रहने को कहा है। यूएई और फलस्तीन स्थित भारतीय मिशनों ने अडवाइजरी जारी कर भारतीयों से सावधान रहने को कहा है। माना जा रहा है कि हालात अगर बिगड़ते हैं तो भारत अपने नागरिकों को निकालने के लिए इवैक्युएशन ड्राइव की अगुवाई कर सकता है। भारत के लिए पश्चिम एशिया क्षेत्र अहम है। इस क्षेत्र में क़रीब 9-10 मिलियन भारतीय रहते हैं। यही वजह है कि दो दिन पहले ही इजराइल में पीएम मोदी ने कहा था कि मध्य एशिया की स्थिरता और शांति से भारत के हित जुड़े हैं। उन्होंने डायलॉग और डिप्लोमेसी से सभी विवादों को हल करने के लिए कहा था।

साइबर सेल की बड़ी कार्रवाई: 11 राज्यों में छापेमारी कर 27 जालसाज गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम जिला साइबर सेल ने डिजिटल ठगी करने वाले गिरोहों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी देशव्यापी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने एक सप्ताह तक चले विशेष अभियान के तहत देश के 11 राज्यों में एक साथ छापेमारी की, जिसमें कुल 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई के माध्यम से पुलिस ने करीब 10 बड़े मामलों का खुलासा किया है, जिनमें मासूम लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की गई थी।

जांच में सामने आया है कि इन मामलों में सीधे तौर पर 1.50 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की गई है। हालांकि, जब पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के बैंक खातों और वित्तीय दस्तावेजों की गहराई से पड़ताल की, तो उसमें करीब 13.91 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन का पता चला। पुलिस को अंदेशा है कि यह राशि देश के अलग-अलग हिस्सों में की गई अन्य साइबर ठगी से जुड़ी हो सकती है। जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने इस सफलता की जानकारी साझा करते हुए बताया कि साइबर सेल की टीम लंबे समय से ठगी की शिकायतों पर तकनीकी जांच कर रही थी। डेटा विश्लेषण और डिजिटल फुटप्रिंट्स के आधार पर आरोपियों की लोकेशन ट्रैक की गई। इसके बाद दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में एक साथ दबिश देकर इन जालसाजों को दबोचा गया।

पकड़े गए आरोपियों का जाल काफी फैला हुआ था। ये लोग मुख्य रूप से निवेश के नाम पर झांसा देने, मोबाइल में खतरनाक एपीके फाइल इंस्टॉल करवाकर डेटा चोरी करने, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के जरिए फर्जी स्कीम चलाने और क्रेडिट कार्ड अपडेट करने के नाम पर ठगी करते थे। पुलिस ने इन अपराधियों के पास से अपराध में इस्तेमाल होने वाली भारी सामग्री भी बरामद की है। बरामद सामान में 25 मोबाइल फोन, 28 सिम कार्ड, 20 बैंकिंग कार्ड (डेबिट/क्रेडिट), एक पीओएस मशीन, एक बाइक और भारी मात्रा में बैंक दस्तावेज व चेकबुक किट शामिल हैं। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य नामों और ठगी गई रकम की बरामदगी की जा सके।

गोकुल में छड़ीमार होली: गोपियों ने पुलिस ही नहीं विदेशी सैलानियों पर भी बरसाईं छड़ियां

-दुल्हन की तरह सजी महिलाएं, श्रीकृष्ण-बलराम के बाल रूप पर खेला रंग

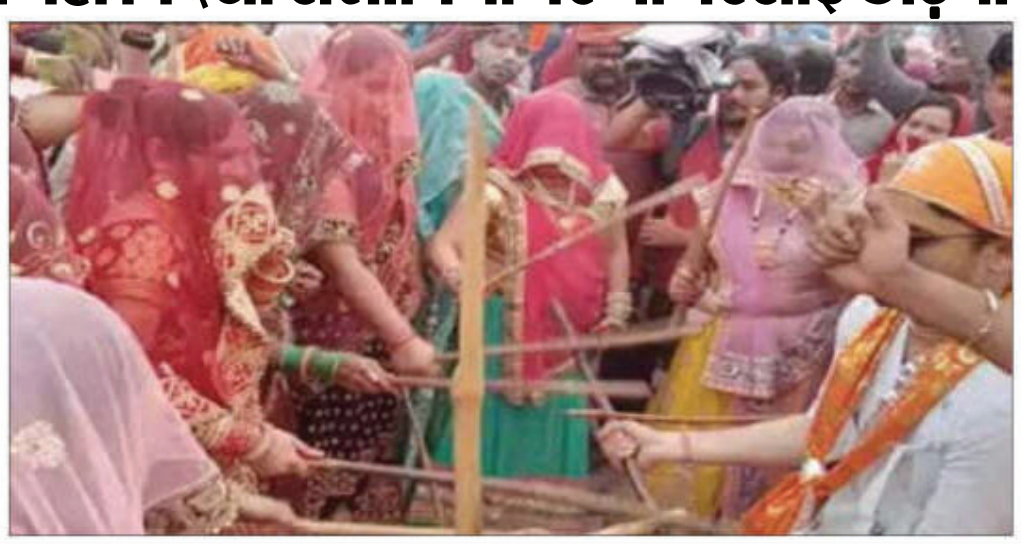

मथुरा (एजेंसी)। ब्रज के गोकुल में रविवार को छड़ीमार होली की धूम रही, जिसमें महिलाएं दुल्हन की तरह सज-संवरकर भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के बाल स्वरूप पर रंग और छड़ियों की वर्षा करती दिखाई दीं। इस बार गोपियों ने न केवल स्थानीय लोगों बल्कि बड़ी संख्या में आए विदेशी सैलानियों और पुलिसकर्मियों को भी दनादन छड़ियों की झड़ी से नवाज़ा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बलदेव विधानसभा के बीजेपी विधायक पूरन प्रकाश ने इस मौके पर राधा-कृष्ण बने कलाकारों के साथ मंच पर डांस कर कार्यक्रम में भाग लिया। इससे पहले दोपहर 12:30 बजे नंदभवन से भगवान श्रीकृष्ण का डोला निकला, जिसमें कन्हैया और बलराम के बाल रूप सवार थे। लोग डोले के आगे-पीछे रंग-गुलाल उड़ाते हुए मस्ती में चलते दिखाई दिए। रास्ते में यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया, फूल, रंग और अबीर से डोले को सजाया गया। चौराहों पर बड़े स्टेज तैयार किए गए, जिन पर महिलाएं सज-धजकर डांस करती रहीं। गलियों में होली के गीत और 'जय राधे, जय कृष्णा' के भजन गूंजते रहे।

छड़ीमार होली की परंपरा

गोकुल में छड़ीमार होली का प्रचलन सदियों पुराना है। ऐसा माना जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने यहीं बाल लीलाएं की थीं। इस खेल में उपयोग की जाने वाली छड़ियों पर गोटेदार कपड़ा लपेटा जाता है, जिससे चोट नहीं लगती। बरसाना और नंदगांव की लट्ठमार होली की तरह गोकुल की इस परंपरा में भी महिलाएं प्रमुख भूमिका निभाती हैं। इस बार की होली में नंदगांव और बरसाना के आयोजनों की याद भी ताजा हो गई थी, जहां राधारानी की सखियों और श्रीकृष्ण के सखाओं के बीच रंगीन छड़ीमार का खेल हुआ।

गोकुल में छड़ीमार होली देखने आए लोगों ने इसे अत्यंत रोचक और जीवंत उत्सव बताया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली, लेकिन उत्सव की अद्भुत झलक ने इसे और भी यादगार बना दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com